पाठ्य पुस्तक

# कस्तूरी

8

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

## TEACHER'S BOOK

# कस्तूरी-8

## अध्याय - 1

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. फूलों से हमें क्या शिक्षा मिलती है?**

**उत्तर :** फूलों से हमें हँसते रहने की शिक्षा मिलती है।

**प्रश्न 2. हमें शीश झुकाने की सीख किससे मिलती है?**

**उत्तर :** हमें शीश झुकाने की शिक्षा फलदार वृक्षों से मिलती है।

**प्रश्न 3. अँधेरा हरने से क्या तात्पर्य है?**

**उत्तर :** अँधेरा हरने से तात्पर्य किसी के दु:ख या कष्ट दूर करने से है।

**प्रश्न 4. पृथ्वी हमें क्या सीख देती है?**

**उत्तर :** पृथ्वी हमें जीवों की सच्ची सेवा करने की सीख देती है।

**प्रश्न 5. हमें उत्तम विद्या पढ़ना कौन सिखाता है?**

**उत्तर :** हमें उत्तम विद्या पढ़ना गुरु सिखाता है।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. सूरज की किरणें हमें क्या सिखाती हैं?**

**उत्तर :** सूरज की किरणें जगना और जगाना सिखाती हैं।

**प्रश्न 2. लता तथा पेड़ों से मिलने वाली शिक्षा बताइए।**

**उत्तर :** लता तथा पेड़ सबको गले लगाना सिखाते हैं।

**प्रश्न 3. जल-धारा हमें कौन-सी सीख देती है?**

**उत्तर :** जल-धारा हमें जीवन पथ पर आगे बढ़ने की सीख देती है।

**प्रश्न 4. जीवन-पथ पर आगे बढ़ने से क्या तात्पर्य है?**

**उत्तर :** जीवन-पथ पर आगे बढ़ने से तात्पर्य उन्नति करते रहना है।

**प्रश्न 5. महापुरुषों के जीवन से हम क्या सीख ले सकते हैं?**

**उत्तर :** महापुरुषों के जीवन से हमें अपने चरित्र को गढ़ना सीखना चाहिए।

**प्रश्न 6. गुरु हमें क्या सिखाता है?**

**उत्तर :** गुरु हमें उत्तम विद्या पढ़ना सिखाता है।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. सूरज की किरणें जागने और जगाने की शिक्षा किस प्रकार देती हैं?**

**उत्तर :** सूरज की किरणें अथवा दिन का प्रकाश मनुष्य को कर्म अथवा काम करने की शिक्षा देता है। अर्थात् दिन मनुष्य के लिए परिश्रम से कार्य करने के लिए होता है। जबकि रात विश्राम करने के लिए। अत: सुबह उगते हुए सूर्य की किरणें सबसे यही सीख देती हैं कि जागो और सबको जगाओ ताकि सब अपना-अपना कार्य प्रारंभ कर सकें।

**प्रश्न 2. इस कविता से मिलने वाली शिक्षा को गद्य-रूप में लिखिए।**

**उत्तर :** इस कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमारे आसपास उपस्थित सभी प्राकृतिक वस्तुएँ हमें कोई-न-कोई शिक्षा प्रदान

करती हैं। हमें इन प्राकृतिक वस्तुओं से मिलने वाली सीख को अपने जीवन से ढालना चाहिए।

**प्रश्न 3. चरित्र गढ़ने से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर :** चरित्र गढ़ने का अर्थ है कि हमें अपने महापुरुषों के उदात्त गुणों को अपने जीवन में ढालकर उनका पालन करते हुए अपने चरित्र को उदार रूप देना चाहिए। उदार चरित्र ही सबके लिए अनुकरणीय होता है।

**प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों के भावार्थ लिखिए :**

**( क ) तरु की झुकी डालियों से नित,**
**सीखो शीश झुकाना।**

**भावार्थ :** कवि कहता है कि हरे-भरे वृक्षों की झुकी हुई टहनियाँ हमें नित सिर झुकाने की शिक्षा देती हैं। अर्थात् हमें सबका सिर झुकाकर सम्मान करने की सीख देती हैं।

**( ख ) पृथ्वी से सीखो जीवों की,**
**सच्ची सेवा करना।**

**भावार्थ :** कवि के अनुसार हमें पृथ्वी सभी जीव-जंतुओं की सेवा करने की शिक्षा देती है। अर्थात् जिस तरह पृथ्वी सभी जीवों का समान रूप से पालन-पोषण करती है या उनकी सेवा करती है। उसी तरह हमें भी सभी जीवों की सेवा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

**( ग ) सत्पुरुषों के जीवन से**
**सीखो चरित्र निज गढ़ना।**

**भावार्थ :** कवि के अनुसार सत्पुरुषों अथवा सत्य की राह पर चलने वाले महापुरुषों से हमें अपने चरित्र को उनके समान सच्चरित्र बनाने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

**प्रश्न 5. निम्नलिखित का उचित मिलान कीजिए :**

| | |
|---|---|
| **सिखाने वाला** | **सीख** |
| **धुआँ** | **सबको गले लगाना** |
| **जल-धारा** | **ऊपर चढ़ना** |
| **भौंरा** | **आगे बढ़ना** |
| **लता तथा पेड़** | **गाना** |

**उत्तर :**

| | |
|---|---|
| **सिखाने वाला** | **सीख** |
| धुआँ | ऊपर चढ़ना |
| जल-धारा | आगे बढ़ना |
| भौंरा | गाना |
| लता तथा पेड़ | सबको गले लगाना |

**भाषा मंच**

**1. निम्नलिखित क्रियाओं से प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाइए :**

| | | |
|---|---|---|
| **जगना** | **जगाना** | **जगवाना** |
| **सीखना** | सिखाना | सिखवाना |
| **बढ़ना** | बढ़ाना | बढ़वाना |
| **चढ़ना** | चढ़ाना | चढ़वाना |

**झुकना** झुकाना झुकवाना

2. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग करके लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **बलवान** | = | **बल + वान** | **सामाजिक** | = | समाज + इक |
| **खाऊ** | = | खा + ऊ | **मानवता** | = | मानव + ता |
| **लिखावट** | = | लिख + आवट | **पढ़ाई** | = | पढ़ + आई |

3. **निम्नलिखित शब्द-युग्मों के लिए संयोजित शब्द लिखिए :**

**जान-पहचान** = **जान ( जानना ) + पहचान ( जानना )**
**बड़े-बूढ़े** = बड़े (बड़े) + बूढ़े (बड़े)
**बाल-बच्चे** = बाल (बालक ) + बच्चे (बालक)
**सीधा-सादा** = सीधा (भोला) + सादा (भोला)
**सुना-सुनाया** = सुना (सुनाना) + सुनाया (सुनाना)
**कुशल-मंगल** = कुशल (ठीक) + मंगल (ठीक)

4. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :**

**( क ) आँसू पोंछना** = सांत्वना देना – राधा के आँसू पोंछने के लिए उसकी माँ आगे आई।
**( ख ) आटे में नमक** = बहुत कम मात्रा में – इस गाँव में धनी लोग आटे में नमक के समान हैं।
**( ग ) कंठ का हार होना** = बहुत प्रिय होना – राम अपने मित्र का कंठ का हार बना फिरता है।
**( घ ) कन्नी काटना** = अलग होना – झूठे मित्र बुरा समय आने पर कन्नी काट लेते हैं।
**( ङ ) कमर कसना** = तैयार रहना – भारतीय सेना शत्रु का सामना करने के लिए सदैव कमर कसे रहती है।

5. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :**

**तरु** = पेड़ – तरु शीतल छाया देते हैं।
**शीश** = सिर – बड़ों के सामने शीश झुकाना सीखो।
**नित** = प्रतिदिन – नित नए जोश के साथ आगे बढ़ो।
**जीवन-पथ** = जीवन का मार्ग – जीवन-पथ पर आगे बढ़ना ही मानव धर्म है।
**गले लगाना** = सिने से लगाना – सबको गले से लगाना ही जीवन का मकसद होना चाहिए।

## रचनात्मक उड़ान

1. **इसी प्रकार की प्रेरणादायक कोई अन्य कविता लिखिए।**

स्वयं कीजिए।

2. **इस कविता में निहित प्राकृतिक सौंदर्य पर कोई चार पंक्तियाँ लिखिए :**

(1) खिले हुए फूल हँसते हुए दिखाई देते हैं।
(2) तरुओं की झुकी हुई शांत टहनियाँ अनुपम सौंदर्य तथा सीख प्रदान करती हैं।
(3) लताओं और पेड़ों का पारस्परिक मिलन विशेष सौंदर्य व्यक्त करता है।
(4) जलधाराएँ, पर्वत आदि भी प्राकृतिक सौंदर्य के अनूठे उदाहरण हैं।

3. **"आदर्श जीवन" विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।**

स्वयं कीजिए।

## परख के मंच पर

**प्रश्न 1. इस कविता में प्रयुक्त कोई तीन उपमाएँ छाँटिए तथा उनसे वाक्य बनाइए।**

**उत्तर :** (1) तरु की झुकी डालियाँ – तरु की झुकी डालियाँ शीश झुकाने का संदेश देती हैं।

(2) सूरज की किरणों – सूरज की किरणों से सीखों जगना और जगाना।

(3) सत्पुरुषों का जीवन – सत्पुरुषों का जीवन चरित्र गढ़ना सिखाता है।

**प्रश्न 2. इस कविता की भाषा-शैली का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** इस कविता की भाषा अति सरल तथा सरस है। कवि ने साधारण शब्दों, उपमाओं एवं बिंबों के प्रयोग से कविता में अनूठा रस उत्पन्न किया है। कवि ने प्राकृतिक वस्तुओं के माध्यम से जो संदेश प्रदान किया है वह वास्तव में प्रशंसनीय है। कविता का कोई भी अंश ऐसा नहीं हैं जो पाठकों में उब पैदा करने वाला हो। अत: इस कविता की भाषा शैली अनूठी है।

**अपना विकास अपने हाथ**

**1. निम्न चित्रों को देखिए, सोचिए तथा इनसे मिलने वाली प्रेरणा का उल्लेख कीजिए।**

(1) उड़ता हुआ पक्षी हमें स्वतंत्र रूप से विचरण करने अथवा स्वतंत्रता से जीवन जीने की शिक्षा देता है।

(2) जलता हुआ दीपक हमें अँधेरे कोनों को प्रकाशित करने की सीख देता है, अर्थात् अँधेरे जीवन को प्रकाशित करने की शिक्षा देता है।

## अध्याय – 2

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. गुरुदेव कौन थे?**

**उत्तर :** गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर थे।

**प्रश्न 2. गुरुदेव ने कहाँ रहने का मन बनाया?**

**उत्तर :** गुरुदेव ने श्रीनिकेतन के पुराने मकान में रहने का मन बनाया था।

**प्रश्न 3. उन दिनों गुरुदेव के स्वास्थ्य की क्या स्थिति थी?**

**उत्तर :** उन दिनों गुरुदेव का स्वास्थ्य अच्छा नहीं था।

**प्रश्न 4. गुरुदेव ने लेखक के किस शब्द को पकड़ लिया था?**

**उत्तर :** गुरुदेव ने लेखके के दर्शनीय शब्द को पकड़ लिया था।

**प्रश्न 5. गुरुदेव के दर्शन हेतु कैसे-कैसे लोग आते थे?**

**उत्तर :** गुरुदेव के दर्शन हेतु तरह-तरह के लोग आते थे।

**प्रश्न 6. गुरुदेव अपने कैसे दर्शनार्थियों से भय खाते थे?**

**उत्तर :** गुरुदेव अपने असमय आने वाले दर्शानार्थियों से भय खाते थे।

**प्रश्न 7. कुत्ता किसके पास बैठता था?**

**उत्तर :** कुत्ता गुरुदेव की कुर्सी के पास बैठता था।

**प्रश्न 8. गुरुदेव ने विशाल मानव-सत्य को कहाँ देखा?**

**उत्तर :** गुरुदेव ने विशाल मानव-सत्य भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि में देखा था।

**प्रश्न 9. गुरुदेव प्रातः काल घूमने के लिए कहाँ जाते थे?**

**उत्तर :** गुरुदेव प्रात:काल बगीचे में घूमने के लिए जाते थे।

**प्रश्न 10. लेखक ने मैना को कहाँ देखा?**

**उत्तर :** लेखक ने मैना को श्रीनिकेतन में देखा।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें।**

**प्रश्न 1. श्रीनिकेतन क्या है?**

**उत्तर :** श्रीनिकेतन गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का पुराना मकान है।

**प्रश्न 2. श्रीनिकेतन में गुरुदेव किसके साथ रहते थे?**

**उत्तर :** श्रीनिकेतन में गुरुदेव अपने पालतू कुत्ते के साथ रहते थे।

**प्रश्न 3. कुत्ते को देखकर गुरुदेव को आश्चर्य क्यों हुआ?**

**उत्तर :** कुत्ते को देखकर गुरुदेव को आश्चर्य इसलिए हुआ, क्योंकि कुत्ता उन्हें ढूँढता हुआ उनके पास पहुँच गया था।

**प्रश्न 4. कुत्ता गुरुदेव के आसन के पास कब तक बैठा रहता था?**

**उत्तर :** कुत्ता गुरुदेव के आसन के पास तब तक बैठा रहता था, जब तक कि वे उसकी पीठ पर हाथ नहीं फेर देते थे।

**प्रश्न 5. मनुष्य, मनुष्य के अंदर कौन-सा सत्य नहीं देख पाता?**

**उत्तर :** मनुष्य, मनुष्य में मूक हृदय का प्राणपन आत्म निवेदन नहीं देख पाता है।

**प्रश्न 6. गुरुदेव की चिताभस्म कोलकते से कहाँ लाई गई?**

**उत्तर :** गुरुदेव की चिताभस्म कोलकते से आश्रम में लाई गई।

**प्रश्न 7. बगीचे में टहलते हुए गुरुदेव ने क्या कहा?**

**उत्तर :** गुरुदेव ने कहा – 'देखते हो यह यूथभ्रष्ट है, रोज फुदकती है, ठीक यहीं आकर, मुझे उसकी चाल में एक करुण भाव दिखाई देता है।'

**प्रश्न 8. गुरुदेव को मैना की चाल में क्या दिखता था?**

**उत्तर :** गुरुदेव को मैना की चाल में करुण भाव दिखता था।

**प्रश्न 9. गुरुदेव ने पहली बार मैना को कहाँ देखा था?**

**उत्तर :** गुरुदेव ने पहली बार मैना को बगीचे में देखा था।

**प्रश्न 10. लेखक के सामने मैना की करुण मूर्ति कब साकार होती है?**

**उत्तर :** गुरुदेव द्वारा रचित कविता को पढ़कर लेखक के सामने मैना की करुण मूर्ति साकार हो जाती है।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. गुरुदेव कुत्ते की स्वामिभक्ति का वर्णन किस तरह करते हैं?**

**उत्तर :** गुरुदेव कुत्ते की स्वामिभक्ति के विषय में बताते हैं कि वह आश्रम में श्रीनिकेतन कुत्ते को बिना बताए आ गए थे। मगर कुत्ते ने अपनी वफादारी के बल पर अकेले ही मीलों की दूरी तय करके उन्हें अर्थात् अपने स्वामी को ढूँढ लिया। कुत्ता उनका साथ कभी नहीं छोडता। सुबह जब तक वह कुत्ते की पीठ पर हाथ नहीं फेरते तब तक वह उनके आस-पास बैठा रहता है।

**प्रश्न 2. गुरुदेव ने शांतिनिकेतन छोड़कर कहाँ रहने का फ़ैसला किया तथा क्यों?**

**उत्तर :** गुरुदेव ने शांतिनिकेतन को छोड़कर अपने पुराने आवास श्रीनिकेतन रहने का फ़ैसला किया था। उन्होंने यह फ़ैसला इसलिए किया था, क्योंकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता था। वे लोगों की भीड़-भाड़ से दूर अपने जीवन के अंतिम दिनों को शांतिपूर्वक ढंग से बिताना चाहते थे।

**प्रश्न 3. कुत्ता तथा मैना पर रचित गुरुदेव की कविताओं का आशय स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :** कुत्ता तथा मैना पर रचित गुरुदेव की कविताओं से आशय यह है कि उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से कुत्ते की वफादारी और स्नेह को तथा मैना की करुण दशा तथा जीवन जीने के प्रयासों का काव्यात्मक ढंग से वर्णन किया है।

**प्रश्न 4. भावार्थ लिखिए :**

**जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता दिखाता रहता है, तब मैं सोच नहीं सकता कि उसने अपने सहज बोध से मानव-स्वरूप में कौन-सा अमूल्य आविष्कार किया है।**

**भावार्थ –** गुरुदेव अपने कुत्ते को संबोधित करते हुए कहते हैं कि इसके खामोश दिल का प्राणपन एवं आत्मनिवेदन देखता हूँ तो लगता है कि वह अपनी हीनता का प्रदर्शन करता है जब मैं यह सोचने की स्थिति में नहीं होता हूँ कि उसने अपने स्वाभाविक बोध से मानव के रूप में कितना अमूल्य आविष्कार कर दिखाया है।

5. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताते हुए उनसे वाक्य बनाइए :**

**स्तब्ध** – हैरान = मैं अपने सामने पागल कुत्ते को देखकर स्तब्ध रह गया।

**क्षीणवायु** – मंद पवन = क्षीणवायु के कारण सभी पसीना-पसीना होने लगे।

**प्रगल्भ** – निर्लज्ज = प्रगल्भ आदमी कहीं सम्मान नहीं पाता है।

**अस्तगामी** – डूबता हुआ = अस्तगामी सूर्य को देखकर वह तुरंत जंगल से बाहर निकलने के लिए चल पड़ा।

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित शब्दों में 'सु', 'कु' तथा 'स' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए :**

परिवार – सपरिवार  पात्र – सुपात्र  रस – सरस

दर्शन – सुदर्शन पुत्र – कुपुत्र फल – सुफल
अंत – सुअंत चाल – कुचाल सम्मान – ससम्मान

**उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के पूर्व लगकर उस शब्द का अर्थ बदल देते हैं अथवा उसमें नई विशेषता उत्पन्न कर देते हैं। जैसे – कु + पुत्री = कुपुत्री**

2. **वचन बदलिए :**

मंजिल – मंजिलें छुट्टी – छुट्टियाँ मुहावरा – मुहावरे
दर्शनार्थी – दर्शनार्थियों कुर्सी – कुर्सियाँ कविता – कविताएँ
भाषा – भाषाएँ पक्षी – पक्षियों आँख – आँखें

3. **निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए :**

**तिमंजिला** – ति + मंजिला
**अस्तगामी** – अस्त + गामी
**वाक्यहीन** – वाक्य + हीन
**प्राणीलोक** – प्राणी + लोक
**प्राणपण** – प्राण + पन

4. **हिंदी में कुछ शब्दों के दो-दो रूप प्रचलित और मान्य हैं। क्या आप निम्नलिखित शब्दों का दूसरा प्रचलित रूप लिख सकते हैं?**

गरम – गर्म बरफ़ – बर्फ गरदन – गर्दन
सर्दी – सरदी दोबारा – दुबारा बर्तन – बरतन
दुकान – दूकान यानि – यानी मरजी – मर्जी

5. **भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए :**

मुस्कराना – मुस्कराहट अच्छा – अच्छाई एक – एकता
जीना – जीवन हँसना – हँसी बोलना – बोली
दर्शन – दर्शनीय गुरु – गुरुत्व देव – देवत्व

6. **निम्नलिखित से वाक्य बनाइए :**

**जो-जो** – जो-जो आता जाए उसे गुरुदेव के दर्शन को भेजो।
**कोई** – कोई-कोई ही जीवन में मनचाही सफलता पाता है।
**किस** – गंगा धाम किस-किस को जाना है।
**अपना** – सभी अपना-अपना काम करें।
**जो कुछ** – जो कुछ भी तुम्हारे पास है वहाँ रख दो।

7. **विपरीतार्थक लिखिए :**

प्रसन्न – अप्रसन्न अच्छा – बुरा असमय – समय
अस्तगामी – उदित कुशल – अकुशल स्वीकार – अस्वीकार

**परख के मंच पर**

1. **इस संस्मरण के आधार पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।**

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर महान कवि, संगीतज्ञ तथा साहित्यकार थे। उन्होंने ही शांतिनिकेतन की स्थापना की थी जो वर्तमान में विश्व भारती नामक विश्व विद्यालय का दर्जा पा चुका है। गुरुदेव मानवीय मन को जितनी गहराई से पढ़ लेते थे, उससे कहीं अधिक गहराई से वे जंतुओं के हृदय और भावनाओं को समझते थे। उन्होंने अपने कुत्ते की स्वामिभक्ति एवं स्नेह तथा मैना की

करुण दशा को गहराई से समझा तथा उनकी तुलना मानव से की। उन्होंने इन जीवों की भावनाओं को कविता के रूप में भी व्यक्त किया। अत: गुरुदेव वास्तव में एक महान व्यक्तित्व के धनी थे।

2. **यदि आप गुरुदेव के स्थान पर होते तो मैना की व्यथा को किस प्रकार वर्णित करते? चार पक्तियाँ लिखिए :**
स्वयं कीजिएं

**अपना विकास अपने हाथ**

1. **इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने एवं नए रूप देखिए :**

| **पुराना रूप** | **नया रूप** | **पुराना रूप** | **नया रूप** |
|---|---|---|---|
| शान्तिनिकेतन | शांतिनिकेतन | छुट्टी | छुट्टी |
| हिन्दी | हिंदी | किन्तु | किंतु |
| आनन्द | आनंद | अन्त | अंत |

2. **निम्नलिखित शब्द संयोगों के दो-दो उदाहरण दीजिए :**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **ट्** | + | **ट** | = | **ट्ट** | **छुट्टी** | हट्टी | कट्टी |
| **च्** | + | **च** | = | **च्च** | **बच्चा** | सच्चा | कच्चा |
| **न्** | + | **य** | = | **न्य** | **अन्याय** | अन्य | न्यास |
| **क्** | + | **क** | = | **क्क** | **चक्कर** | पक्का | थक्का |

3. **इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित विदेशी शब्दों के अर्थ बताते हुए वाक्य बनाइए :**

**मुहावरा** अनूठा वाक्यांश – मुहावरेदार भाषा सभी को पसंद आती है।
**कुर्सी** आसन – अध्यापक के लिए कुर्सी लेकर आइए।
**भ्रम** – झूठा भय – भ्रम में पड़ा आदमी पागल के समान होता है।
**साफ़** – स्वच्छ – साफ़-सफ़ाई का सबको ध्यान रखना चाहिए।

**चित्रात्मक बोध**

**निम्नलिखित चित्रों को देखकर मुहावरे लिखिए तथा वाक्य बनाइए :**

1. चिराग तले अँधेरा – रमेश अपने पिता की तिजोरी से रोज़ पैसे चुरा लेता है, जबकि उसके पिता चोर को बाहर ढूँढते फिरते हैं। यह तो चिराग तले अँधेरे वाली बात हुई
2. खोदा पहाड़ निकली चुहिया – अधिक परिश्रम करके कम वस्तु की प्राप्ति। चंद्र ने दिन भर जमीन को खोदा मगर उसमें खजाने के नाम पर मात्र एक खोटा सिक्का ही मिला। किसी ने सही ही कहा कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

## अध्याय – 3

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. कर्ण ने स्वयं को किसका पुत्र बताया?**

**उत्तर :** कर्ण ने स्वयं को गरीब गाड़ीवान का पुत्र बताया।

**प्रश्न 2. कुंती कर्ण के पास क्यों गई?**

**उत्तर :** कुंती कर्ण को युद्ध भूमि में अपने पक्ष में करने के लिए उसके पास गई।

**प्रश्न 3. पूजा समाप्त कर लेने पर कर्ण ने कुंती से क्या कहा?**

**उत्तर :** पूजा समाप्त कर लेने के बाद कर्ण ने कुंती से उसके आने का कारण पूछा।

**प्रश्न 4. रंगशाला में कर्ण को देखकर किसी महिला ने क्या किया?**

**उत्तर :** रंगशाला में कर्ण को देखकर महिला की आँखों में से आँसू बहने लगे थे।

**प्रश्न 5. कौरवों का सेनापति कौन था?**

**उत्तर :** कौरवों का सेनापति कर्ण था।

**प्रश्न 6. कर्ण दुर्योधन का ऋणी क्यों था?**

**उत्तर :** दुर्योधन ने कर्ण को अपमानित होने से बचाया था, इसलिए कर्ण दुर्योधन का ऋणी हो गया था।

**प्रश्न 7. कर्ण ने कुंती को क्या वचन दिया?**

**उत्तर :** कर्ण ने कुंती को वचन दिया कि वह हमेशा पाँच पुत्रों की माता ही कहलाएँगी।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. कुंती किसकी माता थीं?**

**उत्तर :** कुंती कर्ण सहित पाँच पांड़वों की माता थी।

**प्रश्न 2. सूर्यास्त के समय कर्ण जाह्नवी के किनारे क्या कर रहा था?**

**उत्तर :** सूर्यास्त के समय कर्ण जाह्नवी के किनारे पूजा–अर्चना कर रहा था।

**प्रश्न 3. कर्ण ने कुंती को अपनी माता का क्या नाम बताया?**

**उत्तर :** कर्ण ने कुंती को अपनी माता का नाम राधा बताया।

**प्रश्न 4. हस्तिनापुर की रंगशाला में कैसी परीक्षा हुई थी?**

**उत्तर :** हस्तिनापुर की रंगशाला में अस्त्रों की परीक्षा हुई थी।

**प्रश्न 5. कुंती ने कर्ण को कुछ देर धीरज रखने की बात क्यों कही?**

**उत्तर :** कुंती ने कर्ण को कुछ देर धीरज रखने की बात इसलिए कही क्योंकि वह कर्ण को आपबीती कहानी सुनाना चाहती थी।

**प्रश्न 6. कुंती कर्ण के मुख से क्या सुनने के लिए व्याकुल थी?**

**उत्तर :** कुंती कर्ण के मुख से माँ शब्द सुनने के लिए व्याकुल थी।

**प्रश्न 7. कर्ण ने साधारण सूत–पूत्र किसे कहा?**

**उत्तर :** कर्ण ने स्वयं को साधारण सूतपुत्र कहा।

**प्रश्न 8. पांडवों का ज्येष्ठ भ्राता कौन था?**

**उत्तर :** पांडवों का ज्येष्ठ भ्राता युधिष्ठिर था।

**प्रश्न 9. दुर्वासा ऋषि ने कुंती को क्या मंत्र दिया?**

**उत्तर :** दुर्वासा ऋषि ने कुंती को ऐसा मंत्र दिया कि वह अपने मंत्र के बल पर किसी भी देवता का आह्वान करके उसे अपने पास

बुला सकती थी।

**प्रश्न10. सूर्यदेव ने कुंती को क्या वरदान दिया?**

**उत्तर :** सूर्यदेव ने कुंती को पुत्रवती होने का वरदान दिया।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. कर्ण के जन्म से संबंधित घटना को लिखिए।**

**उत्तर :** कर्ण को जन्म देने वाली स्त्री कुंती थी। एक बार कुंती को महर्षि दुर्वासा ने एक ऐसा मंत्र दिया जिसे सिद्ध करके वह जिस देवता को बुलाए उसे ही कुंती के सामने आने को बाध्य होना पड़े। इसी मंत्र को सिद्ध करके कुंती ने सूर्यदेव का आह्वान कर दिया। सूर्यदेव प्रकट हो गए और उन्होंने कुंती को पुत्रवती होने का वरदान दे दिया। परंतु कुंती अविवाहिता थी, इसी कारण उसने अपने नवजात शिशु यानी कर्ण को जन्म के साथ ही लोकलाज के कारण त्यागने को विवश होना पड़ा।

**प्रश्न 2. कुंती कर्ण के पास क्यों गई तथा उनके बीच क्या बातचीत हुई?**

**उत्तर :** कुंती कर्ण के पास उसे लेने के लिए गई थी, ताकि वह पांडवों के पक्ष में रहकर महाभारत का युद्ध लड़ सके। कुंती ने कर्ण को मनाने की भरसक कोशिश की, परंतु कर्ण कौरव पक्ष को छोड़ने के लिए तैयार न हुआ। अंत में कुंती को खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा।

**प्रश्न 3. इस एकांकी को कहानी के रूप में लिखिए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 4. इस पाठ के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।**

**उत्तर :** कर्ण सूर्य का पुत्र था जिसे कुंती ने जन्म दिया था तथा एक गाड़ीवान ने पाला-पोषा था। कर्ण युद्ध कला में निपुण था तथा कौरवों के ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन का विश्वास पात्र था। उसने कौरव पक्ष में रहकर युद्ध लड़ने का वचन दे रखा था। कुंती ने कर्ण को पांडवों के पक्ष में खड़ा करने के लिए पूरी कोशिश की, परंतु कर्ण अपने कर्तव्य तथा वचन से जरा भी विचलित नहीं हुआ। वह अंत तक कौरवों के साथ खड़ा रहा। अत: कर्ण एक वीर योद्धा होने के साथ-साथ कृतज्ञता और वचनबद्धता को निभाने वाला व्यक्ति था।

**प्रश्न 5. इस पाठ से मिलने वाले संदेश एवं शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए।**

**उत्तर :** इस पाठ से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें अपने ऊपर एहसान करने वालों तथा हमें आदर-सम्मान देने वालों के प्रति सच्ची कृतज्ञता रखनी चाहिए।

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| माता | – माताएँ | महिला | – महिलाएँ | रंगशाला | – रंगशालाएँ |
| चोटी | – चोटियाँ | कथा | – कथाएँ | देवी | – देवियाँ |
| दासी | – दासियाँ | लड़ाई | – लड़ाइयाँ | भावना | – भावनाएँ |

2. **निम्नलिखित युग्मक शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :**

आना-जाना – आना और जाना = इस रास्ते से लोगों का आना-जाना बना रहता है।

बाल-बच्चे – अपने बच्चे = बाल-बच्चों को पालने के लिए माता-पिता को परिश्रम करना पड़ता है।

जान-पहचान – परिचय = किसी से जान-पहचान न हो, तो उसे अंदर मत आने देना।

दाल-रोटी – दाल और रोटी = दाल-रोटी खाकर खुश रहना सीखो।

अंदर-बाहर – अंदर और बाहर = घर के अंदर-बाहर दोनों की सफ़ाई का ध्यान रखिए।

अपना-पराया – अपना और पराया = अपने-पराए का ख़्याल रखकर बात करना सीखो।

**3. निम्नलिखित के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | सूरज | रवि | दिवाकर |
| माता | माँ | जननी | अंबा |
| पुत्र | बेटा | सुत | आत्मज |
| युद्ध | लड़ाई | रण | संग्राम |

**4. निम्नलिखित प्रत्ययों से कोई दो-दो शब्द बनाइए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **वान्** | **गाड़ीवान** | बलवान | गुणवान |
| **ता** | **लघुता** | नम्रता | सफलता |
| **इन** | **पुजारिन** | बंजारिन | लुहारिन |

**5. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए :**

| | | |
|---|---|---|
| **( क )** | **दोपहर के पहले का समय** | पूर्वाह्न |
| **( ख )** | **सेना का मुखिया** | सेनापति |
| **( ग )** | **जो कहा न जा सके** | अकथनीय |
| **( घ )** | **अच्छे भाग्य वाली स्त्री** | भाग्यवती |
| **( ङ )** | **ईर्ष्या करने वाला व्यक्ति** | ईर्ष्यालु |

**6. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग हटा कर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

**( क )** **सुपुत्र** – सु + पुत्र = श्रीराम के दो पुत्र थे।

**( ख )** **सहर्ष** – स + हर्ष = उसका हमारे घर आना वास्तव में हर्ष की बात है।

**( ग )** **सहृदय** – स + हृदय = हृदय में सदैव दया रखनी चाहिए।

**( घ )** **सानंद** – स + आनंद = प्रातः काल की सैर आनंद का स्रोत है।

**( ङ )** **सादर** – सु + आदर = अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए।

**रचनात्मक उड़ान**

**1. यदि आपका कोई मित्र अथवा सगा-संबंधी किसी तरह की विपत्ति में आपका साथ देता है, तो बताइए आप उसका आभार कैसे व्यक्त करेंगे?**

स्वयं कीजिए।

**2. कुंती को अपनी सामाजिक विवशता के कारण ही कर्ण का परित्याग करना पड़ा था। इस वाक्य की सत्यता अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए :**

हमारे भारतीय समाज में शुरू से ही यह रूढि रही है कि किसी स्त्री द्वारा शादी के बाद ही बच्चों को जन्म देना उचित माना जाता है। अविवाहित स्त्री द्वारा बच्चों को जन्म देना उसके चरित्र के पतन के रूप में देखा जाता है। ऐसी स्त्री को समाज द्वारा पतिता ही समझा जाता है। अतः कुंती को अपनी इसी विवशता के कारण कर्ण को त्यागना पड़ा था।

**परख के मंच पर**

**1. इस एकांकी को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा बताइए कि यदि आप कर्ण के स्थान पर होते, तो कुंती से क्या कहते?**

स्वयं कीजिए।

**2. इस पाठ के आधार पर कर्ण के चरित्र में निहित ऐसी दो विशेषताएँ बताइए, जो आपको सर्वाधिक प्रभावित करती हैं?**

कर्ण के चरित्र में निहित दो प्रमुख विशेषताएँ हैं :

(1) कर्ण दृढ़ आत्मविश्वासी और धैर्यवान था।

(2) कृतज्ञता तथा कर्तव्यपरायणता का गुण उसमें कूट-कूट कर भरा था।

**3. इस एकांकी की भाषा-शैली का विश्लेषण अपने शब्दों में कीजिए।**

इस एकांकी की भाषा विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार सरल तथा साधारण है। पात्रों के द्वारा बोले जाने वाले संवादों को आम बोलचाल की भाषा में लिखा गया है। इसी कारण उनका वाचन करना अति सरल कार्य बन जाता है। इसके अतिरिक्त घटनाओं को इस तरह से प्रस्तुत किया गया है कि वे देश व काल के अनुरूप बैठती हैं। अत: इस एकांकी की भाषा शैली साधारण, किंतु रोचक है।

**अपना विकास अपने हाथ**

**1. इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने व नए रूप देखिए :**

| पुराना रूप | नया रूप | पुराना रूप | नया रूप |
|---|---|---|---|
| पाण्डव | पांडव | विद्वेष | विद्वेष |
| कुन्ती | कुंती | युद्ध | युद्ध |
| अन्धकार | अंधकार | उत्तर | उत्तर |
| मन्त्र | मंत्र | द्वार | द्वार |

**2. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त स्थान पर विराम-चिह्न लगाकर पुन: लिखिए :**

**( क ) पुत्र मैं तुम्हारी माँ हूँ मैं वह महिला हूँ जो तुम्हें इस संसार में लाई है**

पुत्र, मैं तुम्हारी माँ हूँ। मैं वह महिला हूँ जो तुम्हें इस संसार में लाई है।

**( ख ) हाँ अब कहिए देवी जी आप क्या कह रही थीं**

हाँ, अब कहिए देवीजी, आप क्या कह रही थीं?

**( ग ) मैं तुम्हें अपने हृदय में सर्वोच्च स्थान दूँगी क्योंकि तुम मेरे उन पाँचों पुत्रों से बड़े पुत्र हो**

मैं तुम्हें अपने हृदय में सर्वोच्च स्थान दूँगी, क्योंकि तुम मेरे उन पाँचों पुत्रों से बड़े पुत्र हो।

**चित्रात्मक बोध**

**ऊपर दिए गए चित्र जीवन की एक विशेष सच्चाई को दर्शाते हैं। क्या आप बता सकते हैं कि वह सच्चाई क्या है?**

दिए गए चित्र की यह सच्चाई दर्शाते हैं कि माता-पिता अपने बच्चों को जन्म देते हैं तथा उनका पालन-पोषण करते हैं। उन्हें पढ़ाते-लिखाते हैं तथा बच्चे बड़े होकर अपने माता-पिता का सहारा बनते हैं एवं उनकी सेवा करते हैं।

## अध्याय - 4

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. रामू कैसा लड़का था?**

**उत्तर :** रामू एक आलसी लड़का था।

**प्रश्न 2. तुलसी महतो पर एकाएक कौन-सी विपदा आन पड़ी थी?**

**उत्तर :** तुलसी महतो की बेटी सुभागी कम उम्र में विधवा हो गई थी, इसी कारण उस पर बड़ी विपदा आन पड़ी थी।

**प्रश्न 3. सजनसिंह कैसे व्यक्ति थे?**

**उत्तर :** सजनसिंह भले व्यक्ति थे।

**प्रश्न 4. रामू के हृदय में सुभागी के प्रति ईर्ष्या क्यों थी?**

**उत्तर :** क्योंकि सभी घर वाले सुभागी की कर्मठता की बहुत अधिक प्रशंसा करते थे।

**प्रश्न 5. तुलसी महतो ने अपनी पुत्री के जन्म को मंगलमय दंड क्यों कहा?**

**उत्तर :** सुभागी के लड़की होने के कारण ही तुलसी महतो ने उसे मंगलमय दंड कहा था।

**प्रश्न 6. तुलसी महतो ने रामू के पंचायत से लौट जाने पर क्या बात कही थी?**

**उत्तर :** उस समय तुलसी महतो ने कहा कि भगवान ऐसा बेटा किसी बैरी को भी न दे।

**प्रश्न 7. पिता की मरणासन्न स्थिति का समाचार सुनकर रामू ने सुभागी को क्या उत्तर दिया?**

**उत्तर :** रामू ने कहा - मैं क्या डॉक्टर-हकीम हूँ कि उसे देखने चलूँ। जब तक अच्छे थे तब तक तो तुम उनके गले का हार बनी हुई थी। अब जब मरने लगे हैं तो मुझे बुलाने आई हो।

**प्रश्न 8. तुलसी महतो की अंत्येष्टि का सारा प्रबंध किसने किया?**

**उत्तर :** तुलसी महतो की अंत्येष्टि को सारा प्रबंध सुभागी ने किया।

**प्रश्न 9. लक्ष्मी के गले से भोजन का एक कौर उतर पाना मुश्किल होता था। क्यों?**

**उत्तर :** लक्ष्मी अपने पति की मौत के बाद गंभीर सदमे का शिकार हो गई थीं इसी कारण उसके गले से भोजन को एक कौर भी नीचे उतर पाना मुश्किल हो गया था।

**प्रश्न 10. तुलसी महतो की तेरहवीं पर सुभागी ने कितने रुपए खर्च किए?**

**उत्तर :** सुभागी ने तुलसी महतो की तेरहवीं पर तीन हज़ार रुपए खर्च किए।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. रामू अपनी बहन सुभागी के प्रति कठोर व्यवहार क्यों करता था?**

**उत्तर :** रामू अपनी बहन से ईर्ष्या करता था, इसलिए वह उसके साथ कठोर व्यवहार करता था।

**प्रश्न 2. रामू को सुभागी का कौन-सा कार्य बुरा लगता था?**

**उत्तर :** सुभागी ने घर का सारा काम संभाल लिया था। उसका यह कार्य रामू को बहुत बुरा लगता था।

**प्रश्न 3. तुलसी महतो ने गाँव के लोगों को एकत्र कर क्या करने का निर्णय लिया?**

**उत्तर :** तुलसी महतो ने अपनी जमीन-जायदाद का बँटवारा करने का निर्णय लिया।

**प्रश्न 4. गाँव वाले सुभागी की प्रशंसा किस बात के लिए करते थे?**

**उत्तर :** गाँव वाले सुभागी के सद्व्यवहार तथा उसकी कर्मठता की प्रशंसा करते थे।

**प्रश्न 5. तुलसी महतो ने अपने जीवन के अंतिम क्षणों में अपनी पुत्री सुभागी की देखभाल की जिम्मेदारी किसे सौंपी?**

**उत्तर :** तुलसी महतो ने अपनी बेटी सुभागी की देखभाल की जिम्मेदारी सुजनसिंह को सौंपी।

**प्रश्न 6. तुलसी महतो का दाह-संस्कार किसने किया?**

**उत्तर :** तुलसी महतो का दाह-संस्कार उसकी पत्नी ने किया।

**प्रश्न 7. लक्ष्मी के देहांत के बाद सुभागी ने किस काम को पूरा करने की प्रतिज्ञा की?**

**उत्तर :** लक्ष्मी के देहांत के बाद सुभागी ने सजनसिंह का कर्ज अदा करने की प्रतिज्ञा की।

**प्रश्न 8. सजनसिंह ने सुभागी से क्या प्रार्थना की?**

**उत्तर :** सजनसिंह ने सुभागी से प्रार्थना की कि वह उसके बेटे से विवाह कर लें।

**प्रश्न 9. "बेटी, तुम साक्षात भगवती का अवतार हो।" ये शब्द सुभागी को किसने कहे?**

**उत्तर :** सजनसिंह ने।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. सुभागी का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में करें।**

**उत्तर :** सुभागी गाँव की एक साधारण तथा परिश्रमी लड़की थी। अपनी कम उम्र में ही विधवा हो जाने पर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। उसने अपने पिता के घर रहकर ही परिश्रमपूर्वक जीवन जीने का फ़ैसला किया। उसके भाई रामू ने उसे बहुत कष्ट दिए, साथ ही माता-पिता की मौत के कारण भी उसे बड़े सदमे सहने पड़े। किंतु उसने अपने दृढ़ निश्चय तथा परिश्रम के बल पर हर बुरी स्थिति को सुखद स्थिति में बदल दिया।

**प्रश्न 2. रामू एक कामचोर व ईर्ष्यालु लड़का तथा कृतघ्न पुत्र व भाई था। इस कथन की पुष्टि कहानी में वर्णित प्रसंगों के आधार पर कीजिए।**

**उत्तर :** रामू एक कामचोर तथा ईर्ष्यालु लड़का था, क्योंकि वह घर तथा खेत के कामों में हाथ नहीं बँटवाता था तथा साथ ही सुभागी के मेहनत से घर के सारे काम संभाल लेने पर वह उससे ईर्ष्या करने लगा था। उसने अपने माता-पिता की देखभाल का भी कोई कर्तव्य नहीं निभाया। अत: हम कह सकते हैं कि रामू एक कामचोर व ईर्ष्यालु लड़का तथा कृतधन पुत्र था।

**प्रश्न 3. मनुष्य अपने कठोर परिश्रम तथा लगन के आधार पर अपना भाग्य बदल सकता है। आप इस बात की सच्चाई सुभागी के जीवन में किस तरह से देखते हैं? लिखिए।**

**उत्तर :** सुभागी ने अपने भाई के द्वारा ठुकराने का माता-पिता की मौत के बाद भी अपने जीवन को खुशी तथा समृद्ध जीवन बनाने के लिए दिन-रात अपने और गाँव वालों के खेतों में भरपूर परिश्रम करके सिद्ध कर दिया कि कठोर परिश्रम तथा लगन के आधार पर मनुष्य अपना भाग्य बदल सकता है।

**प्रश्न 4. अनेक परिवार सुभागी को अपने घर की बहू बनाने की इच्छा रखते थे। क्या आप बता सकते हैं, क्यों?**

**उत्तर :** सुभागी के सामाजिक व्यवहार तथा उसकी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर निष्ठा तथा लगन को देखकर सभी गाँव वाले उससे बहुत अधिक प्रभावित थे। सुभागी में गजब का धैर्य तथा परिश्रम करने की आदत थी। इसी कारण सभी गाँव वाले सुभागी को अपने घर की बहू के रूप में देखना चाहते थे।

**प्रश्न 5. सुभागी के चरित्र के किस पक्ष को देखते हुए सजनसिंह जात-पाँत के बंधन तोड़कर सुभागी की शादी अपने पुत्र से करने की सोचने लगे?**

**उत्तर :** सजनसिंह सुभागी के उज्ज्वल चरित्र, माता-पिता के प्रति उसकी निष्ठा तथा उसकी कर्मठता के कारण ही जात-पाँत के सभी बंधन तोड़कर सुभागी की शादी अपने बेटे से करने की सोचने लगे थे।

**प्रश्न 6. 'सुभागी' नामक इस कथा की भाषा-शैली का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** सुभागी नामक इस कहानी के रचयिता कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी हैं उन्होंने इस कहानी को लिखने के लिए सामान्य बोलचाल वाली भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने इस कहानी में प्रयुक्त संवादों को लिखने में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया है

जो साधारण जन की जबान पर रहने वाले शब्द हैं। अत: इसी कारण संवादों की भाषा अति सरस और सरल बन पड़ी है। अत: इस कहानी की भाषा शैली प्रेम चंद जी की अनूठी कहानी लेखन विधा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करती है।

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए :**

| | | |
|---|---|---|
| जीवन – मरण | कामचोर – कर्मठ | मुश्किल – आसान |
| कमाना – खर्चना | प्रशंसा – बुराई | धीमी – तीव्र |
| बाहर – भीतर | इच्छा – अनिच्छा | |

2. **निम्नलिखित शब्दों को तत्सम एवं तद्‌भव शब्दों में विभाजित करो :**

   **तत्सम** – भ्राता, मनुज, दंड, मृत, मृत्यु, सज्जन, हृदय, कर्म

   **तद्‌भव** – गाँव, मनुष्य, मीठा, चतुर, बूढ़ा, रात, दुर्बल, काज

3. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थों में अंतर स्पष्ट कर वाक्य बनाइए :**

   **कल** – आने वाला दिन = तुम्हें कल आना चाहिए था।

   **काल** – समय = काल के तीन भेद होते हैं।

   **शादी** – विवाह = शादी में अधिक धन खर्च करना मूर्खता है।

   **सादी** – साधारण = सादे वस्त्र पहनना ही बड़ी बात है।

   **लौटा** – वापस आया = वह लौटा तो उसके सिर पर भारी बोझा था

   **लोटा** – एक बर्तन = लोटा लेकर आओ और दूध डलवा लो।

   **दमन** – दबाने की क्रिया = अंग्रेजों की दमन की नीति ने भारतीयों में क्रोध भरा।

   **दामन** – आँचल, वस्त्र = दामन पर दाग कभी मत लगने दो।

   **परुष** – कठोर = परुष मत बनो, गरीबों पर दया करो।

   **पुरुष** – मर्द = पुरुष का काम संघर्ष करना होता है।

   **बहु** – अनेक = बहुरंगी चित्र बनाओ।

   **बहू** – वधू = बहू के आने पर सारा परिवार खुश हो गया।

4. **इस कहानी में प्रयुक्त मुहावरों से स्वरचित वाक्य बनाइए :**

   1. **सिर-आँखों के बल करना** : पूरे मन से काम करना।
      सुभागी अपने माता-पिता का बताया हर काम सिर-आँखों के बल करती थी।
   2. **तिनका तक न उठाना** : कुछ काम न करना।
      रामू तिनका तक न उठाता था।
   3. **वाहवाही लूटना** : प्रशंसा पाना।
      रमेश ने दसवीं में राज्य भर में प्रथम स्थान पाकर खूब वाहवाही लूटी।
   4. **हाथ-पाँव ठंडे पड़ना** : मरनासन्न की स्थिति में आना।
      तुलसी महतों के हाथ-पाँव ठंडे पड़ते देखकर सजनसिंह घबरा गए।
   5. **दाँतों तले उँगली दबाना** : आश्चर्य प्रकट करना।
      सुभागी की कठोर प्रतिज्ञा के आगे सबने दाँतों तले उँगली दबा ली।

5. **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :**

   1. **जो मेहनत से कार्य करता हो** परिश्रमी

2. **जो काम से जी चुराता हो** कामचोर
3. **बिना थके** अथक
4. **व्यर्थ खर्च करने वाला** अपव्ययी

6 **ऐसे शब्दांश जो धातु रूप या शब्दों के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। उदाहरणतः पठ + अनीय = पठनीय। पठनीय में 'अनीय' प्रत्यय है। प्रत्यय मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं, जैसे–**

1. **कृत प्रत्यय** 2. **तद्धित प्रत्यय**

**कृत प्रत्यय : जो प्रत्यय क्रिया के मूल धातु रूप के साथ लगकर संज्ञा व विशेषणों की रचना करते हैं, कृत प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे पढ़ाई = पढ़ + आई। इसमें 'आई' प्रत्यय है।**

**अब 'आई', 'अन' तथा 'आऊ' कृत प्रत्ययों से चार-चार शब्द बनाइए।**

**तद्धित प्रत्यय : जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण के अंत में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं, वे तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे लुहार = लोहा + आर। इसमें 'आर' प्रत्यय है।**

**अब 'आर', 'ई' तथा 'वाला' तद्धित प्रत्ययों से चार-चार शब्द बनाइए।**

स्वयं कीजिए।

**परख के मंच पर**

1. **मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित इस कहानी के माध्यम से लड़का-लड़की के बीच किए जाने वाले भेदभाव को चित्रित कर उसके उन्मूलन की प्रेरणा दी गई है। आप इस तरह के भेद को उचित मानते हैं या अनुचित? तथ्यों के आधार पर बताइए।**

   स्वयं कीजिए।

2. **हमारे समाज में अनेक कुरीतियाँ आज भी विद्यमान हैं। अपने आसपास के समाज में व्याप्त किसी एक कुरीति को चुनिए तथा उसके उन्मूलन के उपायों को सुझाइए।**

   स्वयं कीजिए।

3. **यदि आप सजनसिंह के स्थान पर होते तो क्या जात-पाँत के बंधनों को तोड़ कर सुभागी को अपने घर की बहू बनाने पर तैयार होते?**

   स्वयं कीजिए।

## अध्याय – 5

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. चंद्रमा की किरणें जल-थल में खेलती कब दिखाई देती हैं?**

**उत्तर :** चंद्रमा की किरणें चाँदनी रात में जल-थल में खेलती दिखाई देती हैं।

**प्रश्न 2. चाँदनी स्वच्छ कैसे हो सकती है?**

**उत्तर :** चाँदनी अपनी पारदर्शिता के कारण स्वच्छ दिखाई देती है।

**प्रश्न 3. अवनि और अंबर से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर :** अवनि तथा अंबर का अर्थ धरती और आकाश है।

**प्रश्न 4. मंद पवन की कोई एक विशेषता बताइए।**

**उत्तर :** मंद पवन के झोंके पेड़ों को धीरे-धीरे हिलाते हैं।

**प्रश्न 5. निस्तब्ध निशा से क्या तात्पर्य है?**

**उत्तर :** निस्तब्ध निशा से तात्पर्य शांत रात से है।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. किरणें चंचल कैसे होती हैं?**

**उत्तर :** किरणें जल-थल में हिलती-डुलती दिखाई देती हैं, इसी कारण चंचल होती हैं।

**प्रश्न 2. धरती अपनी प्रफुल्लता कैसे प्रकट करती है?**

**उत्तर :** धरती अपनी प्रफुल्लता हरी घास तथा झूमते पेड़ों से प्रकट करती है।

**प्रश्न 3. नियति के कार्यकलाप कैसे चलते हैं?**

**उत्तर :** नियति के कार्यकलाप नदी की भाँति चलते हैं।

**प्रश्न 4. सबके सो जाने पर धरती क्या करती है?**

**उत्तर :** सबके सो जाने पर धरती मोती बिखेरती है।

**प्रश्न 5. सूर्य सवेरा होने पर क्या बटोर लेता है?**

**उत्तर :** सूर्य सवेरा होने पर मोती बटोर लेता है।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. इस कविता के माध्यम से कवि ने चाँदनी रात के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।**

**उत्तर :** कवि ने चाँदनी रात के सौंदर्य का वर्णन बड़े ही सुंदर ढंग से किया है। कवि के अनुसार चाँदनी रात में चाँद की किरणें जल-थल पर लहराती हैं। मंद पवन के झोंकों में घास तथा पेड़-पौधे खुशी से झूमने लगते हैं। चारों ओर शांति का माहौल होता है। प्रकृति नदी की तरह एंकात में अपने कर्म संपन्न करती हैं। धरती जिन मोतियों को खामोश रात में बिखेरती है, उन्हें सुबह होने पर सूर्य बटोर लेता है।

**प्रश्न 2. इस कविता के आधार पर चाँद और उसकी चाँदनी की विशेषताएँ बताइए।**

**उत्तर :** इस कविता के अनुसार चाँद रात्रि के समय सौंदर्यपूर्ण ढंग से चमकता है तथा उसकी किरणें जल-थल सब जगहों पर सुंदर ढंग से नृत्य करती दिखाई देती हैं।

**प्रश्न 3. इस कविता में प्रयुक्त निम्नलिखित बिंबों के भावार्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए :**

**स्वच्छ चाँदनी** = स्पष्ट चांदनी – स्वच्छ चाँदनी में सबकुछ स्पष्ट दिखाई देता है।

**स्वच्छ-सुमंद गंध** = स्पष्ट हल्की गंध – फूलों की सुमंद गंध ने मन को खुश कर दिया।

**शून्य-श्याम** = अधंकारमय रिक्त – शून्य श्याम में सब कुछ अजीब लगने लगा था।

**प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ लिखिए :**

**पुलक प्रकट करती है धरती**
**हरित तृणों की नोकों से,**
**मानो झूम रहे हैं तरु भी**
**मंद पवन के झोंकों से।**

**भावार्थ :** कवि के अनुसार धरती हरी-भरी घास की नोकों तथा झूमते हुए पेड़-पौधों के माध्यम से खुशी प्रकट करती है। पेड़-पौधे सभी मंद पवन के झोंकों के साथ-साथ झूम रहे हैं।

**शून्य-श्याम तनु जिससे उसका**
**नया रूप छलकाता है।**

**भावार्थ** – कालिमा युक्त आकाश का अपने आप में नया रूप प्रकट करता है।

**भाषा मंच**

1. **नीचे दी गई पंक्ति पढ़िए :**

   **'मानो झूम रहे हैं तरु भी, मंद पवन के झोंकों से'**

   **काव्य-विचार से इसमें उत्प्रेक्षा अंलकार है। उत्प्रेक्षा का अर्थ है देखने की उत्कट इच्छा। जब वह वस्तु जिससे किसी की तुलना की जाए और जिसकी तुलना की जाए, दोनों के अलग-अलग होने पर भी उन्हें समान देखने की प्रबल इच्छा से कवि उनमें समानता की संभावना करता है, तब उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।**

   **इस कविता में से ऐसी पंक्ति छाँटकर लिखिए, जिसमें अनुप्रास अलंकार हो :**

   स्वयं कीजिए।

2. **निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची लिखिए :**

   **वसुंधरा** – धरती, धरा **रवि** – सूर्य, सूरज
   **चंद्र** – चाँद, शशि **अंबर** – आकाश, व्योम
   **चाँदनी** – चंद्रिका, ज्योत्सना **नदी** – सरिता, तटिनी

3. **निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :**

   जागना – सोना ज्ञान – अज्ञान रात – दिन
   अनुज – अग्रज

**परख के मंच पर**

1. **हम अपने जीवन में निरंतर परिवर्तन होते हुए पाते हैं। क्या आप बता सकते हैं कि जीवन में ये परिवर्तन क्यों होते हैं?**

   स्वयं कीजिए।

2. **इस कविता के आधार पर किसी चाँदनी रात के सौंदर्य की प्रत्यक्ष जाँच कीजिए तथा उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

   स्वयं कीजिए।

**अपना विकास अपने हाथ**

1. **इस कविता में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के नए व पुराने रूप देखिए :**

| **पुराना रूप** | **नया रूप** | **पुराना रूप** | **नया रूप** |
|---|---|---|---|
| चन्द्र | चंद्र | सुमन्द | सुमंद |
| सुन्दर | सुंदर | वसुन्धरा | वसुंधरा |

2. **निम्नलिखित संयोगों से बने शब्दों के दो-दो उदाहरण दीजिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **च् + छ = च्छ** | **स्वच्छ** | अच्छा | लच्छा |
| **स् + त = स्त** | **स्तब्ध** | अस्त | अस्तगामी |
| **श् + य = श्य** | **श्याम** | अवश्य | आवश्यकता |
| **न् + य = न्य** | **शून्य** | अन्य | कन्या |

3. **निम्नलिखित पर कोई एक-एक मुहावरा लिखकर उसका अर्थ बताइए :**

**चाँद** – चार चाँद लगाना = शोभा बढ़ाना।

**अंबर** – अंबर को छूना = बहुत ऊँचा होना।

**पानी** – पानी-पानी होना = लज्ज़ित होना।

**चाँदनी** – चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात = कुछ दिनों की खुशी

## अध्याय - 6

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. सहना कौन था?**

**उत्तर :** सहना महाजन था।

**प्रश्न 2. मुन्नी के पास कितने रुपए रखे हुए थे?**

**उत्तर :** मुन्नी के पास तीन रुपए रखे हुए थे।

**प्रश्न 3. मुन्नी ने हल्कू से रुपए देने को मना क्यों किया?**

**उत्तर :** मुन्नी ने कंबल खरीदने की वजह से हल्कू से रुपए देने से मना किया।

**प्रश्न 4. हल्कू रुपयों से क्या खरीदना चाहता था?**

**उत्तर :** हल्कू रुपयों से कंबल खरीदना चाहता था।

**प्रश्न 5. हल्कू की खाट के नीचे कौन-सो रहा था?**

**उत्तर :** हल्कू की खाट के नीचे जबरा सो रहा था।

**प्रश्न 6. हल्कू ने जबरा को खेत पर आने से मना क्यों किया?**

**उत्तर :** हल्कू ने जबरा को सर्दी की वजह से खेत पर आने से मना किया।

**प्रश्न 7. हल्कू ने बगीचे से पत्तियाँ एकत्र करने का फ़ैसला क्यों किया?**

**उत्तर :** हल्कू ने आग जलाने के लिए बगीचे से पत्तियाँ एकत्र करने का फ़ैसला किया।

**प्रश्न 8. हल्कू अरहर के खेत में क्यों गया?**

**उत्तर :** हल्कू अरहर के पौधे उखाड़ने के लिए अरहर के खेत में गया।

**प्रश्न 9. खेत में कौन-से जानवर घुस आए थे?**

**उत्तर :** खेत में नीलगाय घुस आई थीं।

**प्रश्न 10. हल्कू की नींद कब टूटी?**

**उत्तर :** हल्कू की नींद जबरा के भौंकने पर टूटी।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. हल्कू की पत्नी का नाम क्या था?**

**उत्तर :** हल्कू की पत्नी का नाम मुन्नी था।

**प्रश्न 2. मुन्नी ने हल्कू को खेती छोड़ने के लिए क्यों कहा?**

**उत्तर :** मुन्नी ने हल्कू को खेती छोड़ने के लिए इसलिए कहा क्योंकि खेती से घर चलाने योग्य आमदनी नहीं होती थी।

**प्रश्न 3. हल्कू ने अपने कुत्ते जबरा पर क्रोध क्यों जताया?**

**उत्तर :** क्योंकि हल्कू ने कुत्ते को अपने साथ खेत पर आने के लिए मना किया था।

**प्रश्न 4. हल्कू ने जबरा को उठाकर उससे क्या कहा?**

**उत्तर :** हल्कू ने जबरा को उठाकर अपनी गोद में सो जाने के लिए कहा।

**प्रश्न 5. जबरा के हृदय में अरमान की भाँति क्या उछल रहा था?**

**उत्तर :** जबरा के हृदय में कर्तव्य अरमान की भाँति उछल रहा था।

**प्रश्न 6. हल्कू ने अलाव जलाने का फ़ैसला क्यों किया?**

**उत्तर :** सरदी दूर करने के लिए हल्कू ने अलाव जलाने का फ़ैसला किया।

**प्रश्न 7. जबरा को बाग में एकाएक क्या चीज़ मिल गई थी?**

**उत्तर :** जबरा को एकाएक बाग में एक हड्डी मिल गई थी।

**प्रश्न 8. जबरा भौंकते हुए खेत की ओर क्यों भागा?**

**उत्तर :** क्योंकि खेत में नीलगाय घुस आई थीं, इसी कारण जबरा भौंकते हुए खेत की ओर भागा।

**प्रश्न 9. हल्कू चाहकर भी अपने खेत को नीलगायों से न बचा सका? क्यों?**

**उत्तर :** हल्कू चाहकर भी अपने खेत को नीलगायों से न बचा सका, क्यों वह सरदी के कारण दु:खी हो गया था।

**प्रश्न 10. हल्कू खेत में खड़ी फसल के पूरी तरह नष्ट हो जाने पर भी खुश क्यों था?**

**उत्तर :** हल्कू खेत में खड़ी फसल के पूरी तरह नष्ट हो जाने पर भी खुश इसलिए था क्योंकि वह सरदी में खेत की रखवाली करके थक चुका था।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. हल्कू का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** हल्कू एक गरीब किसान था। वह अपने खेत में पूरी तरह से परिश्रम करने के बाद भी अपने परिवार का पालन-पोषण करने में असमर्थ था। उसके सिर से कर्ज का बोझ उतर नहीं पाता था। वह दिन-रात खेत की रखवाली करके भी कोई उपज प्राप्त नहीं कर पाता था। अत: हल्कू भारतीय गरीब किसान का प्रतिनिधित्व करता है। वह भारतीय गरीब किसान के बारे में स्पष्ट परिचय देता है।

**प्रश्न 2. इस कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 3. इस कहानी के आधार पर जबरा की भूमिका स्पष्ट करते हुए कुत्ते की स्वामिभक्ति पर प्रकाश डालिए।**

**उत्तर :** जबरा हल्कू का पालतू कुत्ता है। वह हमेशा उसके साथ-साथ रहना पसंद करता है। इसीलिए तो वह हल्कू के मना करने पर भी पूस की ठंडी रात में उसके साथ रात को खेत की रखवाली करने के लिए खुशी-खुशी चला जाता है। सरदी की रात को झेलते हुए भी वह हल्कू के खेत को नीलगायों से बचाने की कोशिश करता है, किंतु हल्कू की लापरवाही के कारण वह कुछ नहीं कर पाता।

**प्रश्न 4. इस कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इससे मिलने वाले संदेश को सरल शब्दों में स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :** इस कहानी से संदेश मिलता है कि किसान का जीवन अत्यंत कठोर होता है। अत: हमें किसान का सम्मान तथा उसका सहयोग करना चाहिए।

**प्रश्न 5. इस कहानी के आधार पर तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।**

**उत्तर :** यह कहानी जिस समय लिखी गई थी, उस समय की सामाजिक व्यवस्था अत्यंत दयनीय थी। उसमें किसान का जीवन कर्ज के बोझ के तले दबा था और उसकी स्थिति एक मजदूर से भी बुरी थी। वह दिन-रात परिश्रम करके भी अपने परिवार का पेट पालने में असमर्थ था।

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स्त्री | – स्त्रियाँ | रात | – रातें | फसल | – फसलें |
| घुड़की | – घुड़कियाँ | आँख | – आँखें | छुट्टी | – छुट्टियाँ |
| गाली | – गालियाँ | आत्मा | – आत्माएँ | पत्ती | – पत्तियाँ |

2. **निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **हिमालय** | **हिम** | + | **आलय** |
| **मूसलाधार** | मूसल | + | आधार |
| **एकाएक** | एक | + | एक |
| **पराधीन** | पर | + | अधीन |
| **विद्यार्थी** | विद्या | + | अर्थी |

3. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए :**

**माघ** माघ-मास = माघ एक महीने का नाम है।

**मेघ** बादल = आकाश में मेघ छाए हैं।

**अंस** कंधा = अंस ऊपर उठाकर चलिए।

**अंश** भाग = मेरा अंश मुझे दीजिए।

**कंकाल** अस्थि पिंजर = मानव शरीर कंकाल पर आधारित है।

**कंगाल** गरीब = कंगाली में आटा गीला।

4. **लिंग बदलिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स्त्री | – पुरुष | कुत्ता | – कुतिया | गाय | – बैल |
| लुहार | – लुहारिन | लेखक | – लेखिका | नायक | – नायिका |
| शेर | – शेरनी | लोमड़ | – लोमड़ी | चिड़ा | – चिड़िया |

5. **निम्नलिखित समस्तपदों के विग्रह कीजिए :**

ग्रामगत – ग्राम को गया

राहखर्च = राह के लिए खर्च

अमृतधारा = अमृत की धारा

राजकुमार = राजा का कुमार

सत्यानाश = सत्य का नाश

6. **विपरीतार्थक लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| निश्चित | – अनिश्चित | खड़ा | – पड़ा | सत्य | – असत्य |
| अँधेरी | – उलियाली | ठंडी | – गरम | जाड़ा | – गरमी |
| कल | – आज | प्रकाश | – अंधकार | सुगंध | – दुर्गंध |

7. **निम्नलिखित भाववाचक संज्ञाओं के अर्थ बताते हुए वाक्य बनाइए :**

**मित्रता** – दोस्ती = कृष्ण और सुदामा की मित्रता अमर है।

**स्त्रीत्व** – स्त्री होने का भाव = उसने अपने स्त्रीत्व को साबित कर दिया।

**आलस्य** – सुस्ती = किसी काम में आलस्य मत करो।

**भिन्नता** – अलगत्व = विचारों से भिन्नता भले ही हो मगर दिलों में नहीं होनी चाहिए।

**सुगमता** – सरलता = आज सागरों को सुगमता से पार किया जा सकता है।

**रचनात्मक उड़ान**

1. **इस कहानी का कौन-सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है तथा क्यों? संक्षेप में बताइए :**

स्वयं कीजिए।

2. **इस कहानी में हल्कू तथा उसकी पत्नी खेती करने से अच्छा तो मजदूरी करने को मानते हैं। क्या इस कहानी के आधार पर आप बता सकते हैं कि क्यों?**

हल्कू तथा उसकी पत्नी खेती करने से मजदूरी करने को अच्छा इसलिए मानते हैं, क्योंकि खेती से दिन-रात एक करने पर भी घर परविार का गुजारा नहीं चल पाता। सिर पर कर्ज का बोझ हमेशा बना रहता है। जबकि मजदूरी में जो मिल जाए वही अपना होता है। मजदूरी पर अपनी ओर से कोई खर्च नहीं उठाना पड़ता।

**3. इस कहानी के आधार पर जबरा नामक कुत्ते की दो विशेषताएँ बताइए:**

(1) जबरा हल्कू का स्वामिभक्त कुत्ता है।

(2) जबरा हल्कू की तुलना में अधिक चुस्त तथा सहनशील है, इसलिए तो वह कठोर शीत में भी जब हल्कू अपने स्थान से टस से मस न हो सका जबरा ने खेत को नीलगायों से बचाने का पूरा प्रयास किया।

**परख के मंच पर**

**1. 'पूस की रात' नामक इस कहानी को पढ़िए तथा इसके आधार पर भारतीय किसान की स्थिति का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

इसका उत्तर कलम उठाओ भाग के विस्तार से उत्तर दे में प्रश्न 5 का उत्तर देखें।

**2. इस कहानी की भाषा-शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।**

इस कहानी की भाषा-शैली सरल, सरस तथा स्पष्ट है। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद ने ऐसे शब्दों तथा वाक्यों का प्रयोग किया है जो सामान्य आदमी के अपने शब्द और वाक्य हैं। इसके संवाद भी आम बोल-चाल की भाषा के हैं। अत: हम कह सकते हैं कि इस कहानी की भाषा-शैली अनूठी तथा सौंदर्यपरक है।

**3. इस कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए बताइए कि इस कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?**

इसका उत्तर कलम उठाओ भाग के विस्तार से उत्तर दे में प्रश्न 4 का उत्तर देखें।

**अपना विकास अपने हाथ**

**1. इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने व नए रूप देखिए :**

| पुराना रूप | नया रूप | पुराना रूप | नया रूप |
|---|---|---|---|
| कम्बल | कंबल | ठण्ड | ठंड |
| अन्धकार | अंधकार | द्वार | द्वार |
| पत्तियाँ | पत्तियाँ | हड्डी | हड्डी |
| सम्भाले | संभाले | झुण्ड | झुंड |

**2. निम्नलिखित संयोगों से बने शब्दों के दो-दो उदाहरण दीजिए :**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श् + च = श्च** | **निश्चित** | निश्चय | निश्चंद्र |
| **च् + छ = च्छ** | **अच्छा** | अच्छाई | बिच्छेंद्री |
| **त् + न = त्न** | **पत्नी** | रत्न | रत्नाकर |
| **ड् + ड = ड्ड** | **हड्डी** | गड्डी | गुड्डा |
| **ल् + क = ल्क** | **हल्कू** | हल्का | हल्दी |

## अध्याय – 7

**जुबानी बताओ**

**प्रश्न 1. आप गाँधी जी का जन्मदिवस कब मनाते हैं?**

**उत्तर :** हम गाँधी जी का जन्मदिन 2 अक्टूबर को मनाते हैं।

**प्रश्न 2. गाँधी जी आपको कैसे लगते हैं?**

**उत्तर :** गाँधीजी हमें महान आत्मा लगते हैं।

**प्रश्न 3. 'गाँधीगिरी' शब्द कहाँ से आया है?**

**उत्तर :** 'गाँधीगिरी' शब्द गाँधी जी के व्यवहार से आया।

**प्रश्न 4. क्या गाँधी जी के विचार आपको उचित लगते हैं?**

**उत्तर :** हाँ, हमें गाँधी जी के विचार उचित लगते हैं।

**प्रश्न 5. क्या हम उनके आदर्शों का पालन करते हैं?**

**उत्तर :** हाँ, हम उनके आदर्शों का पालन करते हैं।

**प्रश्न 6. इस संस्मरण से आपको क्या शिक्षा मिलती है?**

**उत्तर :** इस संस्मरण से हमें सही मार्ग पर चलने की शिक्षा मिलती है।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. क्या गाँधी जी का जन्मदिवस समस्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है?**

**उत्तर :** हाँ, गाँधी जी का जन्मदिवस समस्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है।

**प्रश्न 2. गाँधी जी का जन्म कहाँ हुआ था?**

**उत्तर :** गाँधी जी का जन्म पोरबंदर गुजरात में हुआ था।

**प्रश्न 3. गाँधी जी को दूसरे दर्ज़े में कितनी छात्रवृत्ति मिलती थी?**

**उत्तर :** चार रुपए प्रतिमास।

**प्रश्न 4. गाँधी जी के हेडमास्टर साहब का क्या नाम था?**

**उत्तर :** गाँधी जी के हैडमास्टर का नाम सोराबजी एदलजी गीमी था।

**प्रश्न 5. गाँधी जी के संस्कृत अध्यापक का क्या नाम था?**

**उत्तर :** गाँधी के संस्कृत अध्यापक का नाम कृष्ण शंकर था।

**प्रश्न 6. गाँधी जी सुंदर लेखन के बारे में क्या कहते हैं?**

**उत्तर :** गाँधी का कहना है कि बच्चों को सुंदर लेखन अवश्य सीखना चाहिए।

**प्रश्न 7. गाँधी जी बचपन को विशेष महत्त्व क्यों देते हैं?**

**उत्तर :** गाँधी जी बचपन को विशेष महत्त्व इसलिए देते हैं, क्योंकि अच्छे तथा सफल व्यक्तित्व की नींव बचपन में ही रखी जाती है।

**प्रश्न 8. सोराबजी एदलजी गीमी कौन थे?**

**उत्तर :** सोराबजी एदलजी गीमी गाँधी जी के स्कूल के हैडमास्टर थे।

**प्रश्न 9. महात्मा गाँधी ने अपने बचपन में कसरत की तरफ ध्यान क्यों नहीं दिया?**

**उत्तर :** गाँधी जी व्यायाम के प्रति अरुचि रखते थे।

**प्रश्न 10. गाँधी के विद्यालय में व्यायाम करने का समय क्या होता था?**

**उत्तर :** गाँधी जी के विद्यालय में व्यायाम का समय शाम के चार बजे था।

**प्रश्न 11. गाँधी जी को रेखागणित से भी मुश्किल कौन-सा विषय लगा?**

**उत्तर :** गाँधी जी को रेखागणित से भी मुश्किल संस्कृत विषय लगता था।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. व्यायाम के विषय में गाँधी जी के विचार स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :** गाँधी जी का मन व्यायाम करने में नहीं लगता था। वे व्यायाम करने के बजाय अपने पिता की सेवा करने को अधिक महत्त्व देते थे। इसी कारण उन्होंने व्यायाम से मुक्ति पाने के लिए अपने स्कूल के हैडमास्टर से अनुरोध किया था। परंतु उनका यह अनुरोध माना नहीं गया था। अत: गाँधी जी व्यायाम को महत्त्व नहीं देते थे।

**प्रश्न 2. गाँधी जी ने सुलेख के बारे में क्या-क्या कहा है?**

**उत्तर :** गाँधी जी ने सुलेख के बारे में कहा है कि हमें बचपन से ही अच्छे लेखन पर ध्यान देना चाहिए। सुंदर लेखन अपने आप में एक कला है। सुंदर लेखन के बिना शिक्षा अधूरी है।

**प्रश्न 3. गाँधी जी के विचारों की समीक्षा कीजिए।**

**उत्तर :** गाँधी जी के विचारों के अनुसार सफल तथा उदार व्यक्तित्व की नींव बचपन में ही रखी जाती है। बचपन में जो चीज़ें हमें छोटी-छोटी लगती हैं वास्तव में वे बहुत अधिक महत्त्वपूर्ण होती हैं। जैसे खेलों व व्यायाम के प्रति रुचि लेना, सुंदर लेखन का अभ्यास करना आदि। अत: बच्चों को इन सब बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

**प्रश्न 4. गाँधी जी के बचपन की घटनाओं का विवरण दीजिए।**

**उत्तर :** गाँधी जी के बचपन से संबंधित अनेक रोचक घटनाएँ इस अध्याय में पढ़ने को मिलती है जैसे उनकी व्यायाम व संस्कृत के प्रति अरुचि, पिता की सेवा करने का संकल्प, सुंदर लेखन का अभ्यास न करना सबसे बड़ी भूल आदि।

**भाषा ज्ञान**

1. **शुद्ध लेखन में शुद्ध उच्चारण का विशेष महत्त्व है। अशुद्ध उच्चारण के कारण ही 'मित्र' को 'मित्तर' और 'ध्यान' को 'धियान' लिख जाते हैं।**

   **नीचे दिए गए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :**

   | | | | |
   |---|---|---|---|
   | अवाज | – आवाज़ | हस्ताक्षेप | – हस्तक्षेप |
   | नारज | – नाराज | तत्कालिक | – तात्कालिक |
   | रसायनिक | – रासायनिक | अगामी | – आगामी |
   | कवी | – कवि | परिक्षा | – परीक्षा |
   | नीरीह | – निरीह | प्राप्ती | – प्राप्ति |

2. **निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए :**

   | | | | |
   |---|---|---|---|
   | दुर्बल | – कमज़ोर | दुग्ध | – दूध |
   | पंच | – पाँच | छिद्र | – छेद |
   | प्रहर | – पहर | अर्थ | – धन |
   | हस्त | – हाथ | घट | – घड़ा |
   | कर्ण | – कान | दधि | – दही |

3. **निम्नलिखित जातिवाचक संज्ञाओं को भाववाचक संज्ञाओं में बदलिए :**

   **नर = नरत्व**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सज्जन | = | सज्जनता | जवान | = | जवानी |
| चोर | = | चोरी | बच्चा | = | बचपन |
| देव | = | देवत्व | मर्द | = | मर्दानगी |
| खेत | = | खेती | वीर | = | वीरता |
| दोस्त | = | दोस्ती | भाई | = | भाईचारा |

**परख के मंच पर**

1. **आपने आजकल समाज में 'गाँधीगिरी' शब्द सुना होगा जो कि 'दादागिरी' शब्द से प्रेरित है। यह शब्द कहाँ से आया है?**

   स्वयं कीजिए।

2. **इस पाठ के आधार पर बताइए कि गाँधी जी की विचार-धारा का वर्तमान में क्या महत्त्व है?**

   गाँधी जी की विचार धारा का वर्तमान संदर्भ में विशेष महत्त्व है। क्योंकि इस अध्याय में गाँधी जी ने जिन बातों अथवा घटनाओं का वर्णन किया है उन बातों का पालन करते हुए बच्चे अपने भावी जीवन को सफल तथा सुखी बना सकते हैं।

## अध्याय - 8

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. सुभाष चंद्र बोस कौन थे?**

**उत्तर :** सुभाष चंद्र बोस एक स्वतंत्रता सेनानी थे।

**प्रश्न 2. सुभाष चंद्र ने किस सेना का गठन किया था?**

**उत्तर :** सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फ़ौज का गठन किया था।

**प्रश्न 3. सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु किस प्रकार हुई थी?**

**उत्तर :** सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु वायुयान दुर्घटना में हुई थी।

**प्रश्न 4. आपको यह कविता कैसी लगी?**

**उत्तर :** रोचक।

**प्रश्न 5. क्या यह कविता सुभाष के देश-प्रेम को दर्शाती है?**

**उत्तर :** हाँ।

**प्रश्न 6. सुभाष चंद्र बोस ने कौन-सा नारा दिया था?**

**उत्तर :** तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।

**प्रश्न 7. यह कविता राष्ट्रीयता की भावना को जगाने में कैसे सहायक है?**

**उत्तर :** इस कविता से राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा मिलती है। अत: यह कविता राष्ट्रीयता की भावना जगाने में सहायक है।

**प्रश्न 8. गगन का सीना चीरने से क्या तात्पर्य है?**

**उत्तर :** गगन का सीना चीरने से तात्पर्य अंबर के आरपार गुजरना है।

**प्रश्न 9. तरुणाई के फूलों से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर :** तरुणाई के फूलों से तात्पर्य जवानी से है।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. सुभाष कहाँ सोए होंगे?**

**उत्तर :** विदेश गगन खंड के नीचे।

**प्रश्न 2. उनके प्राणों को किसकी उपमा प्रदान की गई है?**

**उत्तर :** उनके प्राणों को धूमकेतु की उपमा दी गई है।

**प्रश्न 3. देवताओं ने उन पर क्या छिड़का होगा?**

**उत्तर :** देवताओं ने उन पर तरुणाई के खूनी फूल छिड़के होंगे।

**प्रश्न 4. सुभाष कहाँ की भोर देखना चाहते होंगे?**

**उत्तर :** सुभाष भारत की भोर देखना चाहते होंगे।

**प्रश्न 5. वह भारत के लिए कहाँ का राज्य ठुकरा देंगे?**

**उत्तर :** वह भारत के लिए स्वर्ग का राज्य ठुकरा देंगे।

**प्रश्न 6. इस कविता के माध्यम से नेता जी सुभाष चंद्र बोस के कौन-से उदात गुण सामने आते हैं?**

**उत्तर :** इस कविता के माध्यम से सुभाष जी के देशभक्ति व वीरता के उदात गुण सामने आते हैं।

**प्रश्न 7. 'मृत्यु देवता' से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर :** मृत्यु देवता का अर्थ है यमराज।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. इस कविता का सप्रसंग भावार्थ लिखिए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 2. कविता की भाषा-शैली की समीक्षा कीजिए।**

**उत्तर :** वीरता तथा देशभक्ति की भावना पर आधारित यह कविता काव्य की दृष्टि से उत्कृष्ट है। इसकी भाषा अत्यंत सौंदर्यपूर्ण बिंबो तथा उपमाओं से सुसज्जित हैं। इसमें प्रयुक्त शब्द साहित्यिक दृष्टि से उपयुकत हैं। प्राकृतिक उपमाओं के माध्यम से सुभाष की राष्ट्रभक्ति को प्रकट करना अपने आप में बेहद अनूठा है। अत: इस कविता की भाषा-शैली काव्य की दृष्टि से अनुपम है।

**प्रश्न 3. कवि का जीवन परिचय दीजिए।**

**उत्तर :** इस प्रश्न का उत्तर पाठ के अंत से पढ़िए।

**भाषा मंच**

**( क ) किसी भी वाक्य की सार्थकता उचित क्रिया के चयन पर निर्भर करती है। सही क्रिया का प्रयोग न होने पर वाक्य का अर्थ स्पष्ट नहीं हो पाता। हिंदी में कुछ शब्दों के साथ लगने वाली क्रियाएँ निश्चित कर दी गई हैं, जैसे- कहर बरपाना आदि। उनका प्रयोग साथ-साथ होने पर ही सार्थक वाक्यांश का निर्माण हो पाता है। नीचे दिए गए शब्दों के आगे लगने वाली उचित क्रिया को चुनिए।**

| | |
|---|---|
| जुल्म सहना | आस होना |
| खून खौलना | कोड़े बरसना |
| नाक कटना | चुप्पी साधना |

**( ख ) निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अंक | – गोद | संख्या | चिह्न |
| अक्षर | – ईश्वर | वर्ण | नष्ट न होने वाला |
| अनन्त | – ईश्वर | आकाश | विष्णु |
| अभिजात | – कुलीन | मनोहर | पूज्य |
| द्विज | – दाँत | ब्राह्मण | पक्षी |

**( ग ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अंहकार | – | घमंड | गर्व | आत्माभिान |
| अंधकार | – | अँधेरा | तम | तिमिर |
| अनुचर | – | सहचर | साथी | दास |
| अमृत | – | सुधा | पीयूष | सोम |
| गंगा | – | भागीरथी | सुरनदी | देवसरी |

## अध्याय - 9

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. क्या आप कबाड़ी बनना चाहेंगे?**

**उत्तर :** नहीं।

**प्रश्न 2. 'कोई काम छोटा नहीं होता' क्या यह कथन सही है?**

**उत्तर :** हाँ।

**प्रश्न 3. आप बड़े होकर क्या बनना चाहेंगे?**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 4. क्या हमारे देश की कानून व्यवस्था ठीक है?**

**उत्तर :** हाँ।

**प्रश्न 5. क्या हमारा नैतिक पतन हो रहा है?**

**उत्तर :** हाँ।

**प्रश्न 6. व्यंग्यकार कबाड़ी की कौन-सी विशेषता से परिचित कराता है?**

**उत्तर :** कबाड़ के साथ-साथ हथियार बेचकर धन कमाना।

**प्रश्न 7. कबाड़ी देश द्रोहियों से किस तरह मिले हुए हैं?**

**उत्तर :** हथियारों के रूप में।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दें :**

**प्रश्न 1. किस व्यापार की संभावनाएँ लेखक को प्रबल नज़र आ रही हैं?**

**उत्तर :** कबाड़ी के व्यापार की।

**प्रश्न 2. युद्धास्त्रों की सुरक्षा क्या बहुत आवश्यक है?**

**उत्तर :** हाँ, युद्धास्त्रों की सुरक्षा बहुत आवश्यक है।

**प्रश्न 3. लेखक ने शूरवीर किसे कहा है?**

**उत्तर :** लेखक ने शूरवीर कबाड़ियों को कहा है।

**प्रश्न 4. कबाड़ी और पुस्तकों का क्या संबंध है?**

**उत्तर :** कबाड़ी पुस्तकों को रद्दी के रूप में खरीद कर लाभ कमाते हैं।

**प्रश्न 5. कबाड़ के कोर्स का क्या नाम होना चाहिए?**

**उत्तर :** कबाड़ के कोर्स का नाम 'डिप्लोमा इन कबाड़ मैनेजमेंट' होना चाहिए।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. युद्धास्त्रों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है?**

**उत्तर :** युद्धास्त्रों की सुरक्षा बहुत आवश्यक है, क्योंकि अगर उनकी उचित ढंग से सुरक्षा नहीं की जाती तो ये देशद्रोहियों के हाथ लग सकते हैं। फिर वे बड़े पैमाने पर जनसंहार कर सकते हैं।

**प्रश्न 2. कबाड़ी किस प्रकार का व्यापार करते हैं?**

**उत्तर :** कबाड़ी तरह-तरह का व्यापार करते हैं, जैसे रद्दी पुस्तकें व अन्य सामान खरीदना आदि। परंतु आजकल कबाड़ी लोहे की रद्दी के साथ गोलों और बंदूकों का व्यापार करने लगे हैं।

**प्रश्न 3. लेखक शिक्षा माफियाओं से क्या कहता है?**

**उत्तर :** लेखक शिक्षा माफियाओं से कबाड़ मैनेजमेंट का डिप्लोमा शुरू कर बड़े पैमाने पर धन कमाने की बात कहता है।

**प्रश्न 4. लेखक ने कबाड़ व्यापार में क्या-क्या संभावनाएँ देखी हैं?**

**उत्तर :** लेखक ने कबाड़ व्यापार में धन कमाने की अपार संभावनाएँ देखी हैं, जैसे रद्दी पुस्तकों के नाम पर कीमती पुस्तकें तथा लोहे की रद्दी के नाम पर हथियारों की खरीद-फरोख्त करके धन कमाना।

**भाषा मंच**

**( क ) विलोम शब्द लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अकाल | – सुकाल | राजा | – रंक |
| अधीर | – सुधीर | पंडित | – मूर्ख |
| मंगल | – अमंगल | चोर | – साधु |
| देवता | – राक्षस | सोना | – जगना |
| सरदी | – गरमी | मीठा | – कड़वा |

**( ख ) दिए गए शब्दों के तद्भव रूप लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| सहस्त्र | – दस सौ | मूल्य | – कीमत |
| राजा | – नरेश | शीत | – ठंड |
| शकुन | – चैन | रजत | – चाँदी |
| सुवर्ण | – सोना | मस्तक | – माथा |

## अध्याय-10

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. स्वामी विवेकानंद का जन्म कब हुआ?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद का जन्म 1863 ई. में हुआ।

**प्रश्न 2. स्वामी विवेकानंद ने बी. ए. की डिग्री किस वर्ष पास की?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद ने बी.ए. की डिग्री सन् 1884 ई. में पास की।

**प्रश्न 3. स्वामी विवेकानंद का वास्तविक नाम क्या था?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद का वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ था।

**प्रश्न 4. युवक नरेंद्र की आध्यात्मिक प्यास कब तथा कैसे शांत हुई?**

**उत्तर :** रामकृष्ण परमहंस से मिलने के बाद युवक नरेंद्र की आध्यात्मिक प्यास शांत हुई।

**प्रश्न 5. रामकृष्ण परमहंस कैसे व्यक्ति थे?**

**उत्तर :** रामकृष्ण परमहंस सरल तथा सीधे व्यक्ति थे।

**प्रश्न 6. युवक नरेंद्र की माता की अपने पुत्र के विषय में क्या इच्छा थी?**

**उत्तर :** युवक नरेंद्र की माँ की इच्छा थी कि उनका पुत्र पढ़-लिखकर अच्छा वकील बने।

**प्रश्न 7. जब नरेंद्र ने सन्यास लेने का निश्चय किया तो उसकी माता ने उसे सन्यास लेने से बचाने के लिए क्या प्रयास किया?**

**उत्तर :** वे रामकृष्ण परमहंस जी के पास गई तथा उनसे अनुरोध किया कि वे उनके बेटे को जोग न दें।

**प्रश्न 8. स्वामी विवेकानंद को अमेरिका में होने वाले सर्वधर्म सम्मेलन का संदेश कब मिला?**

**उत्तर :** जब स्वामी जी मद्रास में थे जब उन्हें सर्वधर्म सम्मेलन के लिए अमेरिका जाने का संदेश मिला।

**प्रश्न 9. स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म का क्या आधार बताया?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म का आधार सच्ची सत्ता को बताया।

**प्रश्न 10. स्वामी विवेकानंद अमेरिका में कितने वर्ष तक रहे?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद अमेरिका में करीब तीन वर्षों तक रहे।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. स्वामी विवेकानंद को बचपन से ही क्या भूख थी?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद को बचपन से ही आध्यात्मिक भूख थी।

**प्रश्न 2. युवक नरेंद्र ने किसके प्रभाव से सन्यास लेने का निर्णय लिया?**

**उत्तर :** युवक नरेंद्र ने रामकृष्ण परमहंस के प्रभाव से सन्यास लेने का फ़ैसला किया।

**प्रश्न 3. स्वामी विवेकानंद ने मद्रास ( चेन्नई ) में कौन-सा महत्त्वपूर्ण कार्य किया?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद ने मद्रास में नवयुवकों को धर्म प्रवचन देने का महान कार्य किया।

**प्रश्न 4. स्वामी विवेकानंद ने इंग्लैंड की यात्रा क्यों की?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के प्रचार के उद्देश्य से इंग्लैंड की यात्रा की।

**प्रश्न 5. स्वामी विवेकानंद की शारीरिक विशेषता बताइए?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद शारीरिक रूप से अत्यधिक सहनशील तथा कर्मठ थे।

**प्रश्न 6. स्वामी विवेकानंद कौन-कौन-सी भाषाएँ जानते थे?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद हिंदी, अंग्रेज़ी, जर्मन, हिब्रू, ग्रीक, फ्रेंच आदि भाषाएँ जानते थे।

**प्रश्न 7. स्वामी विवेकानंद ने भारतीयों को क्या संदेश दिया?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद ने भारतीयों को देशभक्ति तथा लोकसेवा का संदेश दिया।

**प्रश्न 8. स्वामी विवेकानंद दार्जिलिंग क्यों गए?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद जलवायु परिवर्तन के लिए दार्जिलिंग गए।

**प्रश्न 9. भारत में महामारी का प्रकोप कब हुआ?**

**उत्तर :** भारत में महामारी का प्रकोप 1897 में हुआ।

**प्रश्न 10. स्वामी विवेकानंद समाधिस्थ कब हुए?**

**उत्तर :** स्वामी जी 4 जुलाई, 1902 को समाधिस्थ हुए।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. स्वामी विवेकानंद के वास्तविक नाम तथा उनकी शिक्षा का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद का जन्म सन् 1863 ई. में हुआ था। उनका वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ था। बचपन से ही वे पढ़ने-लिखने में बहुत होशियार थे। उन्होंने अंग्रेज़ी स्कूल में शिक्षा पाई थी तथा 1884 ई. में बी.ए. उपाधि प्राप्त की थी।

**प्रश्न 2. अमेरिका में सर्व-धर्म सम्मेलन में स्वामी जी द्वारा दिए गए भाषण का सार अपने शब्दों में लिखिए।**

**उत्तर :** पुस्तक से स्वयं लिखें।

**प्रश्न 3. स्वामी विवेकानंद का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद का जन्म 1863 ई. में एक संपन्न परिवार में हुआ था। उनका वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ था। उनकी शिक्षा-दीक्षा अंग्रेज़ी स्कूल में हुई। उन्होंने 1884 ई. में बी.ए. की उपाधि प्राप्त की तथा फिर रामकृष्ण परमहंस के प्रभाव से सन्यास ले लिया। उन्होंने देश के विविध शहरों में घूमकर नवयुवकों को वेदांत अथवा अध्यात्म का संदेश दिया। लोगों में देशभक्ति तथा लोक सेवा की भावना जाग्रत की। उन्होंने भारत ही नहीं बल्कि पाश्चात्य देशों में भी भारतीय संस्कृति की गरिमा को स्थापित किया।

**प्रश्न 4. स्वामी विवेकानंद के जीवन से मिलने वाली प्रेरणा को अपने शब्दों में लिखिए।**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद के जीवन से हमें बड़ी प्रेरणाएँ मिलती हैं। हमें उनके जीवन से राष्ट्रभक्ति तथा लोकसेवा की शिक्षा मिलती है। भारतीय संस्कृति तथा हिंदू धर्म की श्रेष्ठता का संदेश प्राप्त होता है।

**प्रश्न 5. स्वामी विवेकानंद ने भारतीयों के मन में व्याप्त हीन-भावना को कैसे दूर किया?**

**उत्तर :** स्वामी विवेकानंद ने अपने ओजस्वी भाषणों के जरिए भारतीयों के दिलों में भाई-चारे और प्रेम की भावना को जगाया। उन्होंने अनपढ़, निर्धन तथा नीची जाति के लोगों को समानता का अधिकार दिलाने की पैरवी की तथा उनके भीतर आत्मसम्मान जगाया। उन्होंने समाज के समस्त वर्गों को एक जुट होकर राष्ट्र सेवा करने की प्रेरणा दी।

**भाषा मंच**

1. **वचन बदलिए :**

| | | |
|---|---|---|
| ध्वनि – ध्वनियाँ | चर्चा – चर्चाएँ | विशेषता – विशेषताएँ |
| वाणी – वाणियाँ | माता – माताएँ | सेवा – सेवाएँ |
| घटना – घटनाएँ | तिथि – तिथियाँ | कठिनाई – कठिनाइयाँ |

2. **लिंग बदलिए :**

| | | |
|---|---|---|
| स्वामी – स्वामिनी | पुरुष– महिला | आदमी – औरत |

| | | |
|---|---|---|
| माता – पिता | सम्राट – साम्राज्ञी | शिक्षक – शिक्षिका |
| शिष्य – शिष्या | सन्यासी – सन्यासिन | भक्त – भक्तिन |

**3. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **विवेकानंद** | **विवेक** | + | **आनंद** |
| **अद्‌वितीय** | अ | + | द्‌वितीय |
| **नवयुवक** | नव | + | युवक |
| **उच्चाकांक्षिणी** | उच्च | + | आकांक्षिणी |
| **आध्यात्मिक** | आध्यात्म | + | इक |
| **विश्ववंद्‌य** | विश्व | + | वंद्‌य |

**4. भावाचक संज्ञाएँ लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| समाज | – सामाजिक | आदमी | – आदमीयत | गुरु | – गुरुत्व |
| संस्कृति | – सांस्कृतिक | पुरुष | – पुरुषत्व | बच्चा | – बचपन |
| सज्जन | – सज्जनता | वेद | – वेदत्व | राष्ट्र | – राष्ट्रीय |
| व्यक्ति | – व्यक्तित्व | हिंदू | – हिंदूत्व | कठोर | – कठोरता |

**5. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनामों के प्रकार बताइए :**

**( क ) आज देश की किसी को चिंता नहीं है।**

**( ख ) मैं अपनी चिंता आप करूँगा।**

**( ग ) स्वामी जी ने आपको क्या कहा था?**

**( घ ) शायद , कोई आया है।**

**( ङ ) कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है।**

स्वयं कीजिए।

**6. दिए गए शब्दों से विशेषण बनाइए :**

| | | |
|---|---|---|
| विदेश – विदेशी | समाज – सामाजिक | प्यास – प्यासा |
| समय – सामयिक | मद्रास – मद्रासी | धर्म – धार्मिक |
| भारत – भारतीय | बाहर – बाहरी | इतिहास – ऐतिहासिक |

**7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :**

| | | |
|---|---|---|
| **गले का हार** | : | बहुत प्यारा । राधा रानी के गले का हार है। |
| **गुदड़ी का लाल** | : | छुपा हुआ गुणी। लाल बहादुर शास्त्री वास्तव में गुदड़ी के लाल थे। |
| **चिकना घड़ा** | : | अस्थिर स्वभाव। राम को समझाने का क्या लाभ वह तो चिकना घड़ा है। |
| **तारे गिनना** | : | प्रतीक्षा करना। वह रात भर तारे गिनता रहा, पर महेश नहीं आया। |
| **दाँत पीसना** | : | क्रोध जताना। दाँत पीसने से क्या होगा, अपना काम स्वयं करना सीखों। |

**अपना विकास अपने हाथ**

**1. इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने व नए रूप देखिए :**

| **पुराना रूप** | **नया रूप** | **पुराना रूप** | **नया रूप** |
|---|---|---|---|
| सिद्धान्त | सिद्‌धांत | प्रारम्भ | प्रारंभ |
| विवेकानन्द | विवेकानंद | नरेन्द्र | नरेंद्र |

| | | | |
|---|---|---|---|
| श्रद्धा | श्रद्‌धा | सिद्ध | सिद्‌ध |
| बम्बई | बंबई | मण्डली | मंडली |
| मन्त्र | मंत्र | अन्त | अंत |

**2. इस पाठ में प्रयुक्त निम्न विदेशी शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए:**

**जवाब** = उत्तर – मैं उसका जवाब सुनकर हैरान रह गया।

**जस्टिस** = न्यायाधीश – जस्टिस रामानारायण एक ईमानदार आदमी थे।

**प्रोफ़ेसर** = प्राध्यापक – प्रोफेसर राजनाथ हमें हिंदी पढ़ाते थे।

**प्लेग** = महामारी – बिहार में प्लेग का प्रचार प्रसार बढ़ रहा है।

**3. निम्नलिखित संयोगों से बने शब्दों के दो-दो उदाहरण दीजिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **स् + व = स्व** | **स्वामी** | स्वभाव | स्वराज |
| **च् + च = च्च** | **उच्चाकांक्षी** | सच्चा | कच्चा |
| **क् + त = क्त** | **संयुक्त** | संयुक्त | सशक्त |
| **ष् + य = ष्य** | **शिष्य** | कृत्य | ईर्ष्या |
| **ध् + य = ध्य** | **ध्यान** | अध्याय | अध्ययन |
| **म् + म = म्म** | **सम्मेलन** | अम्मा | निकम्मा |

## अध्याय-11

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. यह पत्र किसने तथा किसको लिखा है?**

**उत्तर :** यह पत्र पंडित जवाहर लाल नेहरू ने केशव शंकर पिल्तौ को लिखा।

**प्रश्न 2. यह पत्र कब लिखा गया है?**

**उत्तर :** यह पत्र 27 दिसंबर, 1950 को लिखा गया।

**प्रश्न 3. लेखक ने बड़ी जेल किसे कहा है?**

**उत्तर :** लेखन ने बड़ी जेल अपने कार्यालय को कहा है।

**प्रश्न 4. यह पत्र वास्तव में किससे संबंधित है?**

**उत्तर :** यह पत्र वास्तव में बच्चों से संबंधित है।

**प्रश्न 5. हमारे देश की असली झलक कहाँ मिलती है?**

**उत्तर :** हमारे देश की असली झलक प्राचीन स्मारकों में मिलती है।

**प्रश्न 6. इस पत्र से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?**

**उत्तर :** इस पत्र से हमें प्रकृति के संरक्षण की प्रेरणा मिलती है।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. चाचा नेहरू बच्चों को कहाँ ले जाना चाहते थे?**

**उत्तर :** चाचा नेहरू बच्चों को देश के एकांत अनूठे कोनों में ले जाना चाहते थे।

**प्रश्न 2. वे किससे मित्रता करने की बात कर रहे हैं?**

**उत्तर :** वे पशु-पक्षियों से मित्रता करने की बात कर रहे हैं।

**प्रश्न 3. जानवर कब आक्रमण करते हैं?**

**उत्तर :** जानवर कभी-कभार ही आक्रमण करते हैं।

**प्रश्न 4. हमारे देश के गौरव के प्रतीक कहाँ स्थित हैं?**

**उत्तर :** हमारे देश के गौरव के प्रतीक नदियों, वनों, पर्वतों, प्राचीन-स्मारकों आदि में स्थित हैं।

**प्रश्न 5. किसे समझदार होना चाहिए?**

**उत्तर :** बच्चों को समझदार होना चाहिए।

**प्रश्न 6. बच्चों का क्या कर्तव्य है?**

**उत्तर :** प्रकृति का संरक्षण करना बच्चों का कर्तव्य है।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. हमारे देश की नदियों को 'महान और पवित्र' क्यों कहा गया है?**

**उत्तर :** हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है। उसकी अधिकांश जनसंख्या खेती-बाड़ी पर निर्भर है। खेतों की सिंचाई के लिए जल की प्राप्ति अधिकांशत: इन्हीं नदियों से होती है। हम अपने देश की नदियों को जीवन रेखाओं के रूप में मानते हैं। यही कारण है कि हम अधिकांश नदियों का मानवीयकरण कर उन्हें देवियों के रूप में पूजते हैं।

**प्रश्न 2. जीव-जंतुओं के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए?**

**उत्तर :** जीव-जंतु हमारे प्राकृतिक पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं। अत: हमें जीव-जंतुओं के प्रति दयालुतापूर्ण व्यवहार करना

चाहिए।

**भाषा मंच**

**( क ) 'और' का प्रयोग विशेषण, क्रियाविशेषण तथा योजक शब्दों के रूप में किया जाता है।**

**नीचे लिखे वाक्य पढ़िए –**

1. **काश! मेरे पास कुछ और समय होता।**
2. **मेरे और पास आ जाइए।**
3. **मैं आपको आगरा और बरेली ले जाऊँगा।**
4. **माता-पिता हमें पालते हैं और हमारा जीवन सँवार देते हैं।**

**पहले, दूसरे तथा तीसरे वाक्यों में 'और' शब्द का प्रयोग क्रमशः विशेषण, क्रियाविशेषण और योजक शब्दों के रूप में हुआ है।**

**इसी प्रकार 'और' शब्द का प्रयोग कर चार वाक्य बनाइए :**

1. राम और श्याम सगे भाई हैं।
2. दाल और रोटी मिल जाए वही बहुत है।
3. रमा ने समोसे और जलेबी खरीदी।
4. प्रतीक और प्रशांत नटखट बालक हैं।

**( ख ) दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए :**

**भारत** – **भ् + आ + र् + अ + त् + अ**

**दुनिया** – द् + उ + न् + इ + य् + आ

**समय** – स् + अ + म् + अ + य् + अ

**हकदार** – ह् + अ + क् + अ + द् + आ + र् + अ

**गौरव** – ग् + औ + र् + अ + व् + अ

**( ग ) विलोम शब्द लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| वर्तमान | – भूतकाल | स्पष्ट | – अस्पष्ट |
| वृहत | – लघु | उत्तम | – निम्नतम |

**( घ ) नीचे उर्दू, फ़ारसी के कुछ उपसर्ग दिए गए हैं, उनके अर्थ हिंदी में लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| कम | – थोड़ा | बद | – बुरा | अल | – अभाव |
| सर | – मुख्य | खुश | – प्रसन्न | हम | – साथ |
| बे | – अभाव, बिना | हर | – प्रत्येक | बा | – सहित |
| दर | – में | गैर | – पराया | ला | – बिना |

## अध्याय - 12

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. इस कविता में कवि का आशय क्या है?**

**उत्तर :** कवि का आशय घर से निकल कर काम करने के लिए तैयार रहना है।

**प्रश्न 2. यह कविता कवि ने क्यों लिखी होगी?**

**उत्तर :** कवि ने यह कविता कामगारों को प्रेरित करने के लिए लिखी होगी।

**प्रश्न 3. क्या हम घर छोड़ते समय सचमुच घबराते हैं?**

**उत्तर :** घर छोड़ते समय आदमी को घबराहट होती ही है।

**प्रश्न 4. यह घबराहट क्यों होती है?**

**उत्तर :** परिवार से दूर जाने के कारण घबराहट होना स्वाभाविक है।

**प्रश्न 5. क्या हमें घबराना चाहिए?**

**उत्तर :** हमें घबराना नहीं चाहिए।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. बूँद कहाँ से निकली थी?**

**उत्तर :** बूँद बादलों से निकली थी।

**प्रश्न 2. बूँद को क्या डर था?**

**उत्तर :** बूँद को अपने भाग्य पर डर था।

**प्रश्न 3. बूँद किस ओर उड़कर चली गई?**

**उत्तर :** बूँद सागर की ओर उड़कर चली गई।

**प्रश्न 4. बूँद कहाँ गिरी?**

**उत्तर :** बूँद सीप के खुले मुँह में गिरी।

**प्रश्न 5. अंततः बूँद का क्या हुआ?**

**उत्तर :** बूँद सीप में गिरकर मोती बनी।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. इस कविता की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 2. कविता की भाषा-शैली की विवेचना कीजिए।**

**उत्तर :** अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित यह कविता अति सुंदर ढंग से लिखी गई है। कवि ने प्राकृतिक बिंबों तथा उपमाओं के माध्यम से विचारों अथवा भावों को अति उत्कृष्ट रूप प्रदान किया है। इस तरह कविता में विशेष रोचकता उत्पन्न हो गई है। इसकी भाषा भी अति सरल तथा सुबोध है।

**भाषा मंच**

**( क ) 'विकारी' शब्द वे शब्द हैं जिनके स्वरूप में परिवर्तन संभव होता है। जैसे 'आ' से - आया था, आ चुका है, आएगा आदि शब्द बन सकते हैं। यह चार प्रकार के होते हैं–**

**संज्ञा – भाई, बहन** राजा–रानी बालक–बालिका लोटा–लुटिया

**सर्वनाम – हम, हमारा** तुम –तुम्हार उसे – उसका वे – उनका

**विशेषण – बुरा, कड़वा** अच्छा–बुरा मीठा – कड़वा लाल–नीला

**क्रिया – गाना, पढ़ना** लिखना–पढ़ना हँसना – रोना जगना – सोना

**उपरोक्त खाली स्थान में आगे दिए गए उदाहरणों के अनुसार शब्द भरिए।**

**( ख ) नीचे लिखे शब्दों में 'ना' प्रत्यय लगाकर नामधातु क्रिया में बदलिए:**

**बात – बतियाना**

| | | | |
|---|---|---|---|
| साठ | – सठियाना | भिनभिन | – भिनभिनाना |
| थपथप | – थपथपाना | जूता | – जुतियाना |
| हिनहिन | – हिनहिनाना | लट | – लटाना |

**( ग ) इस पाठ से छाँटकर पाँच देशज शब्द लिखिए :**

स्वयं कीजिए।

**भाषा खेल**

**( क ) दिए गए शब्दों में से अन्य सार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए:**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| मकान | कान | विशेषज्ञ | विशेष | जापान | पान |
| गवाह | वाह | सफलता | सफल | अधिकार | कार |
| निगहन | गहन | सामान | मान | अनुपयोगी | अनु |

**( ख ) निम्न शब्दों के अर्थ बताइए ओर अंतर पहचानिए :**

| | | |
|---|---|---|
| अंश – भाग | अचर – जड़ | आदि – पुराना |
| अंस – कंधा | अचिर – शीघ्र | आदी – अभ्यस्त |
| अणु – कण | अनल – आग | तरंग – लहर |
| अनु – पीछे | अनिल – पवन | तुरंग – घोड़ा |
| अधम – नीच | जलद – बादल | |
| अधर्म – गैरधर्मी | जलज – कलम | |

## अध्याय - 13

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. सुकिया कौन थी?**

**उत्तर :** सुकिया बिसेसर की पत्नी थी।

**प्रश्न 2. बिसेसर के लिए बाढ़ नई चीज़ क्यों नहीं थी?**

**उत्तर :** क्योंकि वह बचपन से ही बाढ़ का खेल देखता आया था।

**प्रश्न 3. बिसेसर का गाँव कितने दिनों तक टापू बना रहता है?**

**उत्तर :** बिसेसर का गाँव चार महीनों तक टापू बना रहता था।

**प्रश्न 4. बिसेसर के दादा का क्या नाम था?**

**उत्तर :** बिसेसर के दादा का नाम प्रयाग साहनी था।

**प्रश्न 5. प्रयाग साहनी ने जाल फेंकने का क्या तरीका बताया?**

**उत्तर :** प्रयाग साहनी ने बताया कि जाल को चारों ओर घुमाकर वृत्त बनाते हुए फेंकना चाहिए।

**प्रश्न 6. बिसेसर के दादा बाढ़ को अच्छी क्यों बताते थे?**

**उत्तर :** बिसेसर के दादा बाढ़ को अच्छी बताते थे, क्योंकि बाढ़ से ही उन्हें पानी में मछलियाँ तथा खेतों को नई उपजाऊ मिट्टी मिल पाती थी।

**प्रश्न 7. बिसेसर के परिवार के पास कितनी ज़मीन थी?**

**उत्तर :** बिसेसर के परिवार के पास दो बीघा ज़मीन थी।

**प्रश्न 8. न्यूनी-सी चिकनी मिट्टी से क्या तात्पर्य है?**

**उत्तर :** मक्खन जैसी सी चिकनी मिट्टी।

**प्रश्न 9. पानी की दीवार की ऊँचाई क्या थी?**

**उत्तर :** पानी की दीवार की ऊँचाई तीन हाथ थी।

**प्रश्न 10. नुनफर से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर :** नुनफर का अर्थ है ऊँची तथा ऊसर जमीन।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. बिसेसर को बाढ़ के आने की सूचना किसने दी?**

**उत्तर :** बिसेसर को बाढ़ के आने की सूचना सुकिया ने दी।

**प्रश्न 2. बाढ़ के आने के समय बिसेसर क्या कर रहा था?**

**उत्तर :** बाढ़ के आने के समय बिसेसर जाल ठीक कर रहा था।

**प्रश्न 3. बिसेसर को मछली मारने के गुर किसने सिखाए?**

**उत्तर :** बिसेसर को मछली मारने के गुर उसके दादा ने सिखाए।

**प्रश्न 4. नाव के बीच चौर में पहुँचने पर बूढ़े ने क्या किया?**

**उत्तर :** नाव के बीच चौर में पहुँचकर बूढ़ा बिसेसर को शिक्षाएँ देने लगता है।

**प्रश्न 5. बिसेसर की पत्नी क्या चीज़ घर पर भूल आई थी?**

**उत्तर :** बिसेसर की पत्नी घर पर कलछी भूल आई थी।

**प्रश्न 6. गाँव से बाढ़ का पानी निकलने में कितने दिन लग गए?**

**उत्तर :** गाँव से बाढ़ का पानी निकलने में सात दिन लग गए थे।

**प्रश्न 7. बिसेसर ने अपनी पत्नी से उसकी हँसुली क्यों माँगी?**

**उत्तर :** बिसेसर ने अपनी पत्नी से उसकी हँसुली इसलिए माँगी क्योंकि वह उसे बेचकर बीज खरीदना चाहता था।

**प्रश्न 8. बिसेसर ने किसकी चुनौती स्वीकार की?**

**उत्तर :** बिसेसर ने दानवी बाढ़ की चुनौती स्वीकार की।

**प्रश्न 9. बिसेसर ने रिलीफ़ को क्या बताया?**

**उत्तर :** बिसेसर ने रिलीफ को भीख बताया।

**प्रश्न 10. बाढ़ का मुआयना करने कौन-कौन लोग आए थे?**

**उत्तर :** बाढ़ का मुआयना करने सरकारी लोग आए थे।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. प्रयाग साहनी ने खेल-खेल में बिसेसर को क्या-क्या सिखाया?**

**उत्तर :** प्रयाग साहनी ने बिसेसर को खेल-खेल में जाल फेंकना, जाल बनाना, उसकी मरम्मत करना, नाव बनाना, चलाना तथा उसे भँवर से निकालने के गुर सिखाए।

**प्रश्न 2. प्रयाग साहनी बाढ़ को अच्छी क्यों बताते थे?**

**उत्तर :** प्रयाग साहनी बाढ़ को अच्छी बताते थे, क्योंकि बाढ़ के आने पर उन्हें सरलता से मछलियाँ मिल जाती थीं। इसके अतिरिक्त खेतों में नई उपजाऊ मिट्टी फैल जाती थी। जिसके कारण फसल अच्छी होती थी।

**प्रश्न 3. इस पाठ के आधार पर बिसेसर का चरित्र-चित्रण कीजिए।**

**उत्तर :** बिसेसर गाँव का एक छोटा-सा किसान है। वह बाढ़ को ईश्वर का वरदान मानता है। वह खेती करने तथा मछली पकड़ने के सभी गुर जानता है। वह निडर तथा परिश्रमी है। इसीलिए तो वह बाढ़ के समय सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता को भीख समझकर ठुकरा देता है। वह आत्मनिर्भर होकर जीवन जीने के लिए हमेशा परिश्रम करते रहना ही अपना धर्म समझता है।

**प्रश्न 4. गाँव में आई बाढ़ से हुई हानि का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** गाँव में बाढ़ के घुस जाने से गाँव वालों को विविध प्रकार का नुकसान हुआ। जैसे कि घरों में रखा अनाज तथा कपड़े खराब हो गए। खेतों में खड़ी फसलें नष्ट हो गईं। पशुधन की भी गंभीर हानि हुई।

**प्रश्न 5. बिसेसर की दृष्टि में रिलीफ़ भीख के समान थी। क्यों?**

**उत्तर :** बिसेसर एक कर्मठ तथा परिश्रम किसान था। वह प्रकृति के साथ-साथ रहकर जीना पसंद करता था। उसका विश्वास था कि जो प्रकृति हानि करती है वही उसकी क्षतिपूर्ति भी करती है। बस आदमी में संकल्प तथा परिश्रम का गुण हो। अपने इसी स्वभाव के कारण वह रिलीफ़ को भीख समझता था।

**प्रश्न 6. बाढ़ के नुकसान की क्षतिपूर्ति करने के लिए बिसेसर ने क्या-क्या किया?**

**उत्तर :** बाढ़ के नुकसान की क्षतिपूर्ति करने के लिए बिसेसर ने अपनी पत्नी शुकिया के साथ मिलकर अपने खेत को संवारा और उसके धान की फसल रोपी।

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित शब्दों में से पुनरुक्त शब्द-युग्म छाँटिए तथा उनसे वाक्य बनाइए :**

   **उमस-उमस** – चारों ओर उमस-उमस फैली है।

   **नहीं-नहीं** – नहीं-नहीं, मुझे और रोटी नहीं चाहिए।

**घर-बार** – घर-बार चलाना व्यक्ति का पहला धर्म है।

**यहाँ-वहाँ** – यहाँ-वहाँ घूमने से क्या होगा? कुछ काम करो।

**निकलते-निकलते** – घर से निकलते-निकलते उसने एक घंटा लगा दिया।

**रोते-धोते** – उसने रुपए तो दिए पर रोते-धोते हुए दिए।

**रोम-रोम** – मेरे तो रोम-रोम भय घर कर गया है।

**हाँ-हाँ** – हाँ-हाँ, रमा को बाहर तो बुलाइए।

**2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए तथा उनके अनुसार निपात का प्रयोग कर एक अन्य वाक्य बनाइए :**

**ही – चारों ओर मलबा ही मलबा दिखाई पड़ता है।**
मैंनें तुम्हें ही बुलाया था।

**भी – सुकिया भी खेत में बीज रोप रही थी।**
बिसेसर भी वहाँ आ गया था।

**तो – बिसेसर ने कहा– "बाढ़ तो आने दो।"**
उसे जाने तो दो।

**तक – सुकिया ने देखा तक नहीं।**
रमा ने उससे पूछा तक नहीं।

**3. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए :**

**( क ) बिसेसर ने जरा सिर उठा कर उस ओर देखा**
बिसेसर ने जग सिर उठाकर उस ओर देखा।

**( ख ) रिलीफ़ आई है चावल बँट रहे हैं कपड़े बँट रहे हैं।**
रिलीफ़ आई है, चावल बँट रहे हैं, कपड़े बँट रहे हैं।

**( ग ) दिनभर वह कुदाल चलाता है रात में जाल उठाता है और चल पड़ता है चौर में मछली मारने।**
दिनभर वह कुदाल चलाता है, रात में जाल उठाता है और चल पड़ता है चौर में मछली मारने।

**( घ ) सुकिया कुछ उज्र कर सकती थी**
सुकिया कुछ उज्र कर सकती थी।

**( ङ ) वह उसी लगन से तल्लीनता से अपना खेत रोपता रहा रोपता रहा।**
वह उसी लगन से, तल्लीनता से अपना खेत रोपता रहा, रोपता रहा।

**4. निम्नलिखित के विपरीतार्थक लिखिए :**

| | | |
|---|---|---|
| आज – कल | उत्तर – प्रश्न | आया – गया |
| बिछाना – सिमेटना | बड़ा – छोटा | जल – थल |
| परेशान – संतुष्ट | संभव –असंभव | शांत – अशांत |

**5. वचन बदलिए :**

| | | |
|---|---|---|
| याद – यादें | मछली – मछलियाँ | नाव – नावें |
| मिट्टी – मिट्टियाँ | झोपड़ी – झोपड़ियाँ | हँसुली – हँसुलियाँ |

**6. निम्नलिखित से वाक्य बनाइए :**

**जो जो-जो आता जाए उसे गुरुदेव के दर्शन को भेजो।**

**कोई** उसे कोई बुलाकर ले गया है।

**किस** मिठाइयाँ किस-किस को नहीं मिली।

**अपना** सभी अपना अपना काम करें।

**जो कुछ** जो कुछ भी मिले उसी में संतोष करो।

7. **लिंग बदलिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दादा | – दादी | पत्नी | – पति | नेता | – नेत्री |
| चाचा | – चाची | कवि | – कवयित्री | नर | – नारी |

**परख के मंच पर**

1. **'बिसेसर बाढ़ का सच्चा बेटा है।' क्या आप इस वाक्य की पुष्टि अपने शब्दों में कर सकते हैं?**

   बिसेसर को बाढ़ का सच्चा बेटा कहा जा सकता है, क्योंकि उसमें बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से निडरतापूर्वक निपटने के सभी गुण विद्यमान थे और वह बाढ़ के प्रति भी सकारात्मक सोच रखता था।

2. **यदि आप बिसेसर के स्थान पर होते, तो क्या आप रिलीफ़ लेने से मना करते? यदि हाँ तो बताइए, क्यों?**

   स्वयं कीजिए।

## अध्याय - 14

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. हज़ारों वर्ष पहले लोग किन साधनों से यात्राएँ करते थे?**

**उत्तर :** हज़ारों वर्ष पहले लोग घोड़ागाड़ियों तथा नावों से यात्राएँ करते थे।

**प्रश्न 2. रेलगाड़ी के चलन से मानव जीवन में कौन-सा सामान्य परिवर्तन आया?**

**उत्तर :** रेलगाड़ी के चलन से मानव जीवन में तीव्र गति आ गई।

**प्रश्न 3. सबसे पहला इंजन किस देश में बना था?**

**उत्तर :** सबसे पहला इंजन फ्रांस में बना था।

**प्रश्न 4. क्या प्रारंभिक रेलगाड़ी का रंग-रूप आज की आधुनिक रेलगाड़ी जैसा था?**

**उत्तर :** प्रारंभिक रेलगाड़ी का रंग-रूप आज की गाड़ी से भिन्न था।

**प्रश्न 5. पहली सवारी रेलगाड़ी के बारे में इंग्लैंड के समाचारपत्रों में क्या छपा था?**

**उत्तर :** पहली सवारी रेलगाड़ी के बारे में इंग्लैंड के समाचारपत्रों में छपा था कि यह विशाल गाड़ी कहीं-कहीं बारह मील प्रति घंटे की चाल से चली।

**प्रश्न 6. सबसे पहले भाप के इंजन को बनाने वाला व्यक्ति कौन था?**

**उत्तर :** सबसे पहला भाप का इंजन टॉमस न्यूकॉमन ने बनाया था।

**प्रश्न 7. निकोलस जोज़ेफ़ क्यूनो के भाप इंजन की एक विशेषता बताइए।**

**उत्तर :** इस इंजन में एक पहिया आगे तथा दो पहिए पीछे थे।

**प्रश्न 8. निकोलस ने अपने द्वारा बनाए गए भाप के इंजन को किस गति से दौड़ाया?**

**उत्तर :** निकोलस ने इस इंजन को नौ किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दौड़ाया।

**प्रश्न 9. विलियम मर्डोक ने किस तरह का इंजन बनाया?**

**उत्तर :** विलियम मर्डोक ने एक छोटा-सा भाप का इंजन बनाया था।

**प्रश्न10. रिचर्ड द्वारा बनाए गए इंजन की क्या विशेषता थी?**

**उत्तर :** रिचर्ड द्वारा बनाया गया इंजन दस टन लोहे तथा 70 व्यक्तियों का भार खींच सकता था।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. पहली सवारी रेलगाड़ी कब तथा कहाँ चली?**

**उत्तर :** पहली सवाली गाड़ी 1925 में इंग्लैंड में चली।

**प्रश्न 2. विश्व की पहली रेलगाड़ी में कितने डिब्बे तथा कितनी सवारियाँ विद्यमान थीं?**

**उत्तर :** इसमें 34 डिब्बे तथा 600 सवारियाँ थीं।

**प्रश्न 3. विश्व की पहली रेलगाड़ी की चाल क्या थी?**

**उत्तर :** यह बारह मील प्रति घंटा की चाल से चली।

**प्रश्न 4. निकोलस ने पेरिस में किस तरह का चमत्कार दिखाया?**

**उत्तर :** निकोलस ने अपने इंजन को पटरी के बजाय सड़क पर दौड़ाया।

**प्रश्न 5. फ्रांस की सरकार ने निकोलस द्वारा बनाए इंजन को खतरनाक खिलौना क्यों बताया?**

**उत्तर :** फ्रांस की सरकार ने निकोलस के इंजन को खतरनाक खिलौना इस कारण बताया, क्योंकि वह चलते-चलते सड़क पर उलट गया था।

**प्रश्न 6. विलियम मर्डोक ने एक शाम को सूनी गली में क्या किया?**

**उत्तर :** विलियम मर्डोक ने एक शाम को अपने इंजन को सूनी गली में दौड़ाया था।

**प्रश्न 7. रिचर्ड ने अपने द्वारा बनाए गए इंजन का प्रयोग धन कमाने के लिए किस प्रकार किया?**

**उत्तर :** रिचर्ड ने धन कमाने के लिए इस इंजन को जंगले में गोल-गोल घुमाया जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग आते थे।

**प्रश्न 8. रिचर्ड द्वारा निर्मित इंजन कितना भार खींचने में सक्षम था?**

**उत्तर :** रिचर्ड द्वारा निर्मित इंजन दस टन लोहे तथा 70 व्यक्तियों का भार खींचने में सक्षम था।

**प्रश्न 9. जेम्स वॉट ने 'पफिंग विली' नामक भाप का इंजन किसकी मदद से बनाया?**

**उत्तर :** जेम्स वॉट ने इस इंजन को टिमोथी हैकवर्थ की मदद से बनाया था।

**प्रश्न10. इंग्लैंड की संसद ने स्टाक्टन एवं डार्लिंगटन नामक कंपनी को सवारी रेलगाड़ी के संचालन की अनुमति कब दी?**

**उत्तर :** इंग्लैंड की संसद ने इस कंपनी को सवारी रेलगाड़ी चलाने की अनुमति सन् 1921 में दी थी।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दे :**

**प्रश्न 1. विश्व की पहली सवारी रेलगाड़ी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** विश्व की पहली सवारी रेलगाड़ी सन् 1925 में इंग्लैंड में चली थी। इस रेलगाड़ी में 34 डिब्बे तथा 600 यात्री सवार थे। इस गाड़ी की चाल बारह मील प्रति घंटा थी। यह आधुनिक रेलगाड़ी से बिल्कुल भिन्न थी।

**प्रश्न 2. प्रारंभिक भाप के इंजन रेलगाड़ी के लिए अनुपयोगी क्यों थे? विस्तारपूर्वक बताइए।**

**उत्तर :** प्रारंभिक भाप के इंजन रेलगाड़ी के काम के न थे। इस समय भाप के इंजनों का प्रयोग सामान्यत: खदानों से पानी उलीचने के लिए किया जाता था। फ्रांस तथा इंग्लैंड में रेलगाड़ी के लिए भाप के इंजन बनाने का काम जारी रहा। परंतु इनमें अधिकांश इंजन इस प्रकार के थे कि वे रेलगाड़ी को खींचने में असक्षम थे। अत: 1921 ई. तक आते-आते रेलगाड़ी के लिए सफलतम इंजन बनाने में इंग्लैंड ने कामयाबी हासिल की।

**प्रश्न 3. फ्रांस में 1769 में भाप का कौन-सा इंजन बनाया गया था? इस इंजन की क्या विशेषताएँ थीं तथा इसके निर्माता को सरकार ने क्या दंड दिया?**

**उत्तर :** फ्रांस में 1769 में निकोलस जोज़ेफ क्यूनों द्वारा एक ऐसा इंजन बनाया गया जिसमें एक पहिया आगे तथा दो पहिए पीछे लगे थे। इसके निर्माता ने इसे एक दिन खुलेआम सड़क पर दौड़ाया। यह इंजन नौ किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ा परंतु एकाएक उलट गया। इसी कारण सरकार ने उसे खतरनाक खिलौने का नाम दिया तथा इसके निर्माता को जेल में डाल दिया।

**प्रश्न 4. जेम्स वॉट के कारखाने में काम करने वाले किस लड़के ने भाप का इंजन बनाया तथा उस इंजन की क्या विशेषताएँ थीं?**

**उत्तर :** जेम्स वॉट के कारखाने में काम करने वाले विलियम मर्डोक नामक लड़के ने एक भाप का इंजन बनाया। इस इंजन की विशेषता यह थी कि यह इतना छोटा था कि वह लड़का इसे अपने कमरे में दौड़ाया करता था।

**प्रश्न 5. रिचर्ड ट्रेविथिक द्वारा बनाए गए इंजन का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर** रिचर्ड ट्रेविथिक ने एक बड़ा इंजन बनाया था। यह इंजन इतना ताकतवर था कि दस टन लोहे तथा 70 आदमियों का वज़न सरलता से खींच सकता था। इस इंजन ने लोगों को गंभीता से आकर्षित किया तथा रिचर्ड ने इसका प्रदर्शन कर खूब धन कमाया।

**भाषा-मंच**

1. **वचन बदलिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| रेलगाड़ी | – रेलगाड़ियाँ | गति – गतियाँ | वस्तु – वस्तुएँ |
| पहिया | – पहिए | उँगली – उँगलियाँ | दुर्घटना – दुर्घटनाएँ |

लड़का – लड़के  सफलता – सफलताएँ  खुशी – खुशियाँ

**2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रभाव | – निष्प्रभाव | चतुर – मूर्ख | मित्र – शत्रु |
| नया | – पुराना | प्रभावी – निष्प्रभावी | विकास – अविकास |
| पहला | – अंतिम | संभव – असंभव | रोचक – अरुचिकर |

**3. क्रियाविशेषणों के प्रकार बताइए :**

(क) रीतिवाचक

(ख) स्थनवाचक

(ग) परिमाण वाचक

(घ) परिमाण वाचक

(ङ) रीतिवाचक

(च) कालवाचक

**4. जो विशेषण विशेषणों की भी विशेषता बताते हैं, वे प्रविशेषण कहलाते हैं। जैसे मोहन बहुत सुंदर है। इस वाक्य में 'सुंदर' विशेषण तथा 'बहुत' प्रविशेषण है।**

**निम्नलिखित रिक्त स्थानों में प्रविशेषण भरिए :**

(क) जॉर्ज स्टीफेंसन ने **अति** सुंदर इंजन बनाया।

(ख) जेम्स वॉट **बहुत** परिश्रमी व्यक्ति थे।

(ग) **अत्यंत** चतुर विलियम मर्डोक इंजन बनाने में सफल रहा।

(घ) **अत्यधिक** सफ़ेद वस्तु भी अच्छी नहीं लगती।

(ड़) आप **बहुत** मूर्ख हैं।

**5. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **मानव** | आदमी | मनुष्य | व्यक्ति |
| **पशु** | जंतु | जानवर | जीव |
| **घोड़ा** | अश्व | तुरंग | बाजी |
| **युद्ध** | लड़ाई | जंग | संग्राम |

**परख के मंच पर**

**अपना विकास अपने हाथ**

**1. इस पाठ में प्रयुक्त शब्दों की वर्तनी के पुराने व नए रूप देखिए :**

| **पुराना रूप** | **नया रूप** | **पुराना रूप** | **नया रूप** |
|---|---|---|---|
| असम्भव | असंभव | द्वारा | द्वारा |
| फ्रान्स | फ्रांस | युद्ध | युद्ध |
| इन्जन | इंजन | इन्जीनियर | इंजीनियर |
| इंग्लैण्ड | इंग्लैंड | किन्तु | किंतु |

**2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए :**

**अभ्यस्त** – आदी = वह बाएँ हाथ से लिखने में अभ्यस्त है।

**रोचक** – रुचिपूर्ण = यह कहानी अत्यंत रोचक थी।

**खतरनाक** – खतरे से परिपूर्ण = खतरनाक खेल कभी नहीं खेलना चाहिए।

**सुधार** – बेहतर स्थिति = मैं रमा के बनाए चित्र में और अधिक सुधार कर सकता हूँ।

**3. निम्नलिखित संयोगों से बनने वाले दो-दो शब्दों के उदाहरण दीजिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| न् + य | = | न्य | अन्य | कन्या | शून्य |
| स् + त | = | स्त | वास्तव | अस्त | अस्तबल |
| प् + त | = | प्त | समाप्त | प्राप्त | प्राप्ति |
| क् + क | = | क्क | टक्कर | चक्कर | थक्का |

## अध्याय - 15

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. सत्यजीत राय के परिवार की वंश परंपरा का संबंध किससे है?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय के परिवार की वंश परंपरा का संबंध 16वीं शताब्दी के रामसुंदर देव से है।

**प्रश्न 2. सत्यजीत राय के दादा का क्या नाम था?**

**उत्तर :** उनके दादा का नाम उपेंद्रकिशोर था।

**प्रश्न 3. सत्यजीत राय के पिता कौन-सी पत्रिका का प्रकाशन करते थे?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय के पिता संदेश नामक पत्रिका का प्रकाशन करते थे।

**प्रश्न 4. सत्यजीत राय शांतिनिकेतन क्यों गए?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय पेटिंग का अध्ययन करने के उद्देश्य से शांतिनिकेतन गए।

**प्रश्न 5. सत्यजीत राय ने किस सोसायटी की स्थापना की तथा क्यों?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय ने कोलकाता फिल्म सोसाइटी की स्थापना की। उन्होंने फिल्म निर्माण को सरल बनाने के लिए इस संस्था की स्थापना की।

**प्रश्न 6. सत्यजीत राय ने 'पाथेर पांचाली' फिल्म का निर्माण किसकी मदद से किया?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय ने 'पाथेर पांचाली' का निर्माण पश्चिम बंगाल सरकार की मदद से किया।

**प्रश्न 7. 'पाथेर पांचाली' को कहाँ पुरस्कृत किया गया?**

**उत्तर :** पाथेर पांचाली को कॅंस में पुरस्कृत किया गया।

**प्रश्न 8. सत्यजीत राय द्वारा निर्मित पहली रंगीन फिल्म कौन-सी है?**

**उत्तर :** कंचनजंघा उनकी पहली रंगीन फिल्म थी।

**प्रश्न 9. सत्यजीत राय द्वारा 'चारुलता' नामक फिल्म कब बनाई गई?**

**उत्तर :** उन्होंने चारुलता का निर्माण 1963 में किया।

**प्रश्न 10. सत्यजीत राय द्वारा निर्मित अंतिम फिल्म कौन-सी है?**

**उत्तर :** आगंतुक उनकी अंतिम फिल्म थी।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. सत्यजीत राय के पिता का क्या नाम था?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय के पिता का नाम सुकुमार राय था।

**प्रश्न 2. सत्यजीत राय के पिता की मृत्यु कब हुई? उनकी मृत्यु के समय सत्यजीत राय की आयु क्या थी?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय के पिता की मृत्यु 1923 में हुई। उस समय सत्यजीत राय मात्र दो वर्ष के थे।

**प्रश्न 3. सत्यजीत राय ने स्नातक की उपाधि किस कॉलेज से प्राप्त की?**

**उत्तर :** प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता।

**प्रश्न 4. सत्यजीत राय की माँ किस संगीत विधा की गायिका थीं?**

**उत्तर :** रवींद्र संगीत।

**प्रश्न 5. सत्यजीत राय ने शांतिनिकेतन को कब छोड़ा?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय ने शांतिनिकेतन को 1942 में छोड़ा।

**प्रश्न 6. सत्यजीत राय ने अपनी पहली फिल्म का निर्माण किस प्रकार किया?**

**उत्तर :** सत्यजीत राय ने अपनी पहली फिल्म का निर्माण अपनी खुद की पूँजी तथा पश्चिम बंगाल सरकार की मदद से किया।

**प्रश्न 7. 'पाथेर पांचाली' को पहली बार कहाँ दिखाया गया?**

**उत्तर :** पाथेर पांचाली को पहली बार न्यूयॉर्क में दिखाया गया।

**प्रश्न 8. सत्यजीत राय ने 'कापुरुष' नामक फिल्म का निर्माण किस वर्ष किया?**

**उत्तर :** उन्होंने कापुरुष नामक फिल्म का निर्माण 1965 में किया।

**प्रश्न 9. सत्यजीत राय की किसी एक बाल फिल्म का नाम बताइए।**

**उत्तर :** सोनार केतला।

**प्रश्न 10. सत्यजीत राय ने अपने जीवन के अंतिम चरण में कौन-सी तीन फिल्में बनाईं?**

**उत्तर :** गणशत्रु, शाखा-प्रशाखा तथा आगंतुक।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. सत्यजीत राय के परिवार के बारे में संक्षेप में बताइए।**

**उत्तर :** सत्यजीत राय के परिवार का संबंध 16वीं शताब्दी के रामसुंदर देव से जोड़ा जाता है। उनके दादा का नाम उपेंद्रकिशोर तथा पिता का नाम सुकुमार राय था। उनके पिता संदेश नामक एक पत्रिका का प्रकाशन करते थे।

**प्रश्न 2. सत्यजीत राय की शिक्षा तथा उनके प्रारंभिक जीवन का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर :** सत्यजीत राय की शिक्षा कोलकाता में पूरी हुई। उन्होंने कोलकाता स्थित प्रेसीडेंसी कॉलेज से स्नातक की उपाधि धारण की। उसके बाद उन्होंने शांतिनिकेतन से पेटिंग में डिप्लोमा हासिल किया। सन् 1942 को उन्होंने शांतिनिकेतन को छोड़ दिया एवं एक एजेंसी में वाणिज्यिक कलाकार के पद पर नौकरी करने लगे।

**प्रश्न 3. सत्यजीत राय के फिल्म निर्माण और उनकी फिल्मों की सफलता अथवा असफलता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

**उत्तर :** सत्यजीत राय ने अपनी पहली फिल्म 1955 में बनाई थी जिसका नाम पाथेर पांचाली था। उनके द्वारा बनाई गई यह फिल्म सफल भी रही। उसके बाद उन्होंने एक के बाद एक अनेक फिल्में बनाईं। उनके द्वारा बनाई गई अधिकांश फिल्में सफल रहीं, जैसे – कापुरुष, कंचनजंघा, गोपी गायने बायने, गणशत्रु आदि। इसके अतिरिक्त उन्होंने कई सफल बाल फिल्में भी बनाईं।

**प्रश्न 4. सत्यजीत राय की रचनात्मक सोच का वर्णन पाठ के आधार पर कीजिए।**

**उत्तर :** सत्यजीत राय किसी भी फिल्म को बनाने से पहले उसकी कहानी एवं पटकथा पर गंभीरता से विचार करते थे। वे फिल्में बनाने के लिए अधिकांशत: साहित्यिक विषयों को महत्त्व देते थे। उन्होंने कई साहित्यिक कृतियों को सुंदर ढंग से फिल्मों में ढालने में अच्छी सफलता भी प्राप्त की। अत: हम कह सकते हैं कि सत्यजीत राय सही अर्थों में एक श्रेष्ठ फिल्म निर्देशक व निर्माता थे।

**प्रश्न 5. सत्यजीत राय की जीवनी के इस अंश से आपको क्या शिक्षा अथवा प्रेरणा मिलती है? बताइए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

| | | |
|---|---|---|
| परंपरा – परंपराएँ | शैली – शैलियाँ | शताब्दी – शताब्दियाँ |
| मामी – मामियाँ | शिक्षा – शिक्षाएँ | कृति – कृतियाँ |

सफलता – सफलताएँ पीढ़ी – पीढ़ियाँ कहानी – कहानियाँ

**2. लिंग बदलिए :**

पिता – माता भाई – बहन माता – पिता

शिक्षक – शिक्षिका पत्र – पत्रिकाबच्चा – बच्ची

**3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए :**

| | | |
|---|---|---|
| **बचपन** | बालकपन | बालपन |
| **मृत्यु** | देहांत | मौत |
| **पत्नी** | भार्या | प्रिया |
| **प्रेम** | प्यार | अनुराग |

**4. निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए :**

| | | |
|---|---|---|
| सुर | अर्थ | अश्रु |
| धैर्य | परिपक्व | स्वप्न |
| मयूर | गर्दभ | पक्ष |

**5. निम्नलिखित वाक्यों में से संबंधकारक चुनकर रिक्त स्थानों में लिखिए :**

| | | |
|---|---|---|
| **( क )** | **राय का चित्र सुंदर है।** | का |
| **( ख )** | **सत्यजीत राय की माता जी रवींद्र संगीत की गायिका थीं।** | की |
| **( ग )** | **सत्यजीत राय मेरे मित्र थे।** | रे |
| **( घ )** | **उनकी कई सफल फिल्में हैं।** | की |
| **( ङ )** | **'पाथेर पांचाली' की बड़ी चर्चा हुई।** | की |
| **( च )** | **राय की आँखों में दर्द था।** | की, में |

**6. विशेषण बनाइए :**

अध्यापन – अध्ययन अनुकरण – अनुकरणीय आयु – आयुष्मान

आवरण – आवृत उत्साह – उत्साही ऊपर – ऊपरी

ज्ञान – ज्ञात चित्र – चित्रित समाज – सामाजिक

**7. निम्नलिखित को भाववाच्य में बदलिए :**

| | | |
|---|---|---|
| **( क )** | **पक्षी उड़ते हैं।** | पक्षियों से उड़ा जाता है। |
| **( ख )** | **बच्चे खेलते हैं।** | बच्चों से खेला जाता है। |
| **( ग )** | **वह पुस्तक नहीं पढ़ता है।** | उससे पढ़ा नहीं जाता। |

**अपना विकास अपने हाथ।**

**3. निम्नलिखित संयोगों से बने शब्दों के दो-दो उदाहरण दीजिए :**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **त्** | + | **य** | = | **त्य** | **सत्य** | गत्य गत्यात्मक |
| **ल्** | + | **म** | = | **ल्म** | **फिल्म** | चिल्म जुल्म |
| **क्** | + | **स** | = | **क्स** | **अक्सर** | अक्स बक्सर |
| **ल्** | + | **ल** | = | **ल्ल** | **प्रफुल्लित** | कुल्ला कुल्लु |

**4. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर उनके लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए :**

**( क )** **बढ़ा-चढ़ा कर कहना।**

नमक मिर्च लगाकर कहना।

**( ख )** **यह अति सरल काम है।**

बाएँ हाथ का खेल

**( ग )** **पिता की मृत्यु का समाचार सुन राम ज़ोर-ज़ोर से रोए।**

पहाड़ टूट पड़ना।

**( घ )** **सफलता पाने के लिए बहुत ज़ोर लगाया**

ऐड़ी चोटी का जोर लगाना।

**( ङ )** **शत्रु की सेना को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया।**

ईंट से ईंट बजाना।

## अध्याय - 16

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. इस कविता को लिखने का क्या उद्देश्य है?**

**उत्तर :** इस कविता को लिखने का उद्देश्य जीवन की सच्चाई को प्रकट करना है।

**प्रश्न 2. आधुनिक कविता से आप क्या समझते हैं?**

**उत्तर :** आधुनिक कविता से तात्पर्य नए जमाने की कविता से है।

**प्रश्न 3. इस कविता से कवि के स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है?**

**उत्तर :** कवि के भावपूर्ण होने का पता चलता है।

**प्रश्न 4. आपको कौन-कौन से विचार आते हैं? कोई एक बताइए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 5. क्या हमारे विचारों का हमारे मन पर प्रभाव पड़ता है? सोचकर बताइए।**

**उत्तर :** हमारे विचारों का हमारे मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. लेखक को कदम-कदम पर क्या मिलता है?**

**उत्तर :** लेखक को कदम-कदम पर चौराहा मिलता है।

**प्रश्न 2. लेखक कहाँ से गुज़रना चाहता है?**

**उत्तर :** लेखक राहों पर से गुज़र जाना चाहता है।

**प्रश्न 3. लेखक को क्या भ्रम होता है?**

**उत्तर :** लेखक को प्रत्येक वाणी में महाकाव्य का भ्रम होता है।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. कविता का भावार्थ समझाने का प्रयत्न करें।**

**उत्तर :** इस कविता का संक्षिप्त भावार्थ यह है कि जीवन ऐसा संघर्ष है जिसमें आगे बढ़ते रहने पर ही सफलता मिलती है।

**प्रश्न 2. कविता के प्रथम भाग की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 3. स्वयं भी ऐसी ही एक कविता लिखिए।**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**भाषा मंच**

**( क ) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रँग | – | रंग | अर्जून | – | अर्जुन |
| गांव | – | गाँव | हनूमान | – | हनुमान |
| छमा | – | क्षमा | आक्रमन | – | आक्रमण |
| जुवती | – | युवती | शरन | – | शरण |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पूजारी | – | पुजारी | आदर्स | – | आदर्श |
| पेसा | – | पैसा | रैजा | – | राजा |

**( ख ) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अध्यापिका | – | अध्यापिकाएँ | चिड़िया | – | चिड़ियाँ |
| राजा | – | राजाओं | पंक्ति | – | पंक्तियाँ |
| घड़ा | – | घड़े | गति | – | गतियाँ |
| बहन | – | बहनें | बालक | – | बालकों |
| माता | – | माताएँ | दिन | – | दिनों |
| टहनी | – | टहनियाँ | दीवार | – | दीवारें |

**( ग ) निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सज्जन | – | दुर्जन | उपकारी | – | अत्याचारी |
| दयालु | – | निर्दयी | बीमार | – | स्वस्थ |

**परख के मंच पर**

1. **इस कविता से मिलने वाला संदेश अपने शब्दों में लिखिए।**
   इस कविता से मिलने वाला संदेश है – कर्म करना ही मानव धर्म है।
2. **इस कविता की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए।**
   स्वयं कीजिए।

## अध्याय – 17

**जबानी बताओ**

**प्रश्न 1. लेखक के कवि मित्र का स्वभाव कैसा था?**

**उत्तर :** लेखक के कवि मित्र का स्वभाव भावुक था।

**प्रश्न 2. लेखक के कवि मित्र को किस बात का चस्का लगा था?**

**उत्तर :** लेखक के कवि मित्र को कवियों के संग-साथ का चस्का लगा था।

**प्रश्न 3. कवियों तथा कलाकरों के लिए गौरव की बात क्या होती है?**

**उत्तर :** कवियों तथा कलाकारों के लिए दिखावा ही गौरव की बात होती है।

**प्रश्न 4. लेखक ने अपने कवि मित्र को घड़ी देने में संकोच क्यों किया?**

**उत्तर :** लेखक की घड़ी के खो जाने के भय से ही अपने मित्र को घड़ी देने में संकोच हुआ।

**प्रश्न 5. कवि मित्र ने लेखक को मित्रता के अयोग्य क्यों कहा?**

**उत्तर :** लेखक द्वारा घड़ी वापस माँगने के कारण ही कवि मित्र ने क्रोधित होकर उनसे कहा कि वे मित्रता के योग्य नहीं हैं।

**कलम उठाओ**

**इन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें :**

**प्रश्न 1. लेखक को किस तरह का शौक था?**

**उत्तर :** लेखक को उम्दा चीजें रखने का शौक था।

**प्रश्न 2. लेखक के कवि मित्र ने उनसे मान-सम्मान को पैसे से दबाने की बात क्यों कही?**

**उत्तर :** क्योंकि कवि मित्र से घड़ी गुम हो गई थी।

**प्रश्न 3. लेखक ने घड़ी खो जाने की बात सुनकर क्या कहा?**

**उत्तर :** घड़ी के खो जाने की बात सुनकर लेखक महोदय का चेहरा उतर गया।

**प्रश्न 4. लेखक के घर उसके कौन-से मित्र ठहरते थे?**

**उत्तर :** लेखक के घर उसके कवि मित्र ठहरते थे।

**प्रश्न 5. लेखक का बैंक एकाउंट खुश्क क्यों हो गया था?**

**उत्तर :** लेखक का बैंक एकाउंट अपने कवि मित्र की खातिरदारी में खुश्क हो गया था।

**इन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :**

**प्रश्न 1. घड़ी वापस माँगने पर कवि ने लेखक के साथ कैसा व्यवहार किया?**

**उत्तर :** घड़ी वापस माँगने पर कवि महोदय ने लेखक को मित्रता के अयोग्य बताया और कहा कि वे अपना रक्त बेचकर उनकी घड़ी की कीमत चुका देंगे। इसके अतिरिक्त वह अपने मित्र को महानीच कहकर भी संबोंधित करते हैं।

**प्रश्न 2. अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि मित्र लेखक के घर ही क्यों ठहरते थे?**

**उत्तर :** अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि लेखक के घर ही इसलिए ठहरते थे, क्योंकि लेखक के घर उनकी बेहतर खातिरदारी होती थी और वे समझते थे कि लेखक के घर ठहरने से उनके कारण लेखक का मान बढ़ता है।

**प्रश्न 3. लेखक के कवि मित्र ने घड़ी खो जाने पर कौन-सी कविता सुनाई?**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**प्रश्न 4. लेखक के अनुसार स्कूल ख्यात कवि, अंतर्राष्ट्रीय कवि तथा आल इंडिया स्टार कवियों की क्या विशेषताएँ हैं?**

**उत्तर :** स्वयं कीजिए।

**भाषा मंच**

1. **निम्नलिखित के विपरीतार्थक लिखिए :**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| समझदार | – बेवकूफ़ | भला | – बुरा | सज्जन | – दुर्जन |
| उदास | – प्रसन्न | दबाना | – उठाना | मित्र | – शत्रु |
| योग्य | – अयोग्य | गरीब | – अमीर | सौभाग्य | – दुर्भाग्य |

2. **निम्नलिखित में भविष्य कृदंतों को बताइए :**

| | | |
|---|---|---|
| **( क )** | **रीछ का खेल होने वाला है।** | हाँ |
| **( ख )** | **कवि कविता सुनाने वाले हैं।** | हाँ |
| **( ग )** | **लिखने वाले जल्दी ही आने वाले हैं।** | नहीं |
| **( घ )** | **गाने वाली बच्ची अभी तक नहीं आई है।** | हाँ |

3. **प्रत्येक के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **आदमी** | मनुष्य | मनुज | मानव |
| **कलाकार** | अभिनेता | पात्र | अदाकार |
| **दुनिया** | संसार | भव | जग |
| **मित्र** | सखा | मीत | सहचर |

**रचनात्मक उड़ान**

2. **निम्नलिखित के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए:**

**दुखड़ा रोना : वह आदमी तो सब के सामने अपना दुखड़ा रोने लगता है।**

**चेहरा उतना : गलती पता चलने पर उसका चेहरा उतर गया।**

**कलेजे पर पत्थर रखना : माँ ने कलेजे पर पत्थर रख अपने बेटे को फौजी बनाया।**

**पाँच सवारों में मानना : सेठ तो पाँच सवारों में माना जाता है।**

**परख के मंच पर**

1. **इस व्यंग्य से प्राप्त संदेश और शिक्षा को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।**

इस व्यंग्य से प्राप्त शिक्षा है कि – दिखावे का जीवन झूठा होता है।